सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

# बजट 2023-2024

# वित्त एवं विनियोग विधेयक
# चर्चा पर
# श्री अशोक गहलोत
## मुख्यमंत्री
## की घोषणाऐं

**17 मार्च, 2023**

**घोषणायें :**

1. अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2023–24 हेतु दिनांक 10 फरवरी, 2023 को प्रस्तुत बजट तथा दिनांक 16 फरवरी, 2023 को बजट बहस के जवाब में की गयी घोषणाओं के माध्यम से जहाँ हमने अल्प आय वर्ग के साथ ही मध्यम वर्ग को भी महंगाई से राहत देने का प्रयास किया, वहीं युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तथा प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिए आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने का कार्य भी किया है। इसी क्रम में अब मैं, नवीन घोषणायें माननीय सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ–

**शिक्षा एवं युवा विकास :**

2. वर्ष 2022–23 के बजट में मेरे द्वारा जयपुर में JLN मार्ग पर **'Education Hub'** बनाने की घोषणा की गयी थी। इसी कड़ी में, आगामी वर्ष राजस्थान विश्वविद्यालय, कॉमर्स कॉलेज एवं राजस्थान कॉलेज के upgradation हेतु 50 करोड़ रुपये के कार्य हाथ में लिये जायेंगे।

3. हमारे द्वारा कोरोना काल के दौरान शिक्षा में हुए नुकसान की भरपाई के लिए इस वर्ष कक्षा VIII तक के विद्यार्थियों के लिए Bridge Courses चलाये गये थे। इनकी सफलता को देखते हुए आगामी वर्ष भी 75 करोड़ रुपये व्यय कर Bridge Courses चलाये जाना प्रस्तावित है। इससे लगभग 70 लाख विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

4. स्कूल शिक्षा की सुविधा सुलभ कराने की दृष्टि से 500 प्राथमिक विद्यालयों का उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तथा 500 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का उच्च माध्यमिक विद्यालयों में क्रमोन्नयन किये जाने की घोषणा करता हूँ। साथ ही, 400 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान, वाणिज्य एवं कृषि संकाय/विषय प्रारम्भ किये जायेंगे।

5. विशाला–**बाड़मेर**, भुसावर–**भरतपुर**, तालचिडी–**दौसा**, फलसुण्ड –**जैसलमेर**, बिसाउ (मंडावा)–**झुंझुनूं**, कुचामनसिटी, खजवाना, रियाबड़ी –**नागौर** एवं सूरौठ (हिण्डौन सिटी)–**करौली** में **राजकीय महाविद्यालय** खोले जायेंगे।

6. शाहबाद (किशनगंज)–**बारां**, समदड़ी–**बाड़मेर**, बज्जू (कोलायत) –**बीकानेर**, छारेडा–**दौसा**, आमेर–**जयपुर**, झालामण्ड (लूणी), जैसला (घंटियाली)–**जोधपुर** एवं बर–**पाली** में **राजकीय कन्या महाविद्यालय** खोले जाने प्रस्तावित हैं।

7. नारेडा (दूदू)–जयपुर में शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय एवं नावां–नागौर, दौसा एवं चित्तौड़गढ़ में विधि महाविद्यालय खोले जायेंगे।

8. प्रदेश में शिक्षण सुविधा विस्तार हेतु विभिन्न विद्यालय, छात्रावास, आईटीआई खोले जाने, विद्यालयों/महाविद्यालयों के क्रमोन्नयन, नवीन विषय/संकाय प्रारम्भ करने के साथ–साथ अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा, जो इस प्रकार हैं–

I. छोटी सरवन–बांसवाड़ा एवं फलौदी–जोधपुर में बालिका आवासीय विद्यालय खोले जायेंगे। इस पर 46 करोड़ रुपये व्यय होंगे।

II. वैर–भरतपुर में अम्बेडकर आवासीय विद्यालय, रावतभाटा–चित्तौड़गढ़ में देवनारायण आवासीय विद्यालय तथा विराटनगर–जयपुर में देवनारायण आवासीय बालिका विद्यालय खोले जायेंगे।

III. कुंठवा (खमनौर)–राजसमंद में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय खोला जायेगा।

IV. जालोर में जनजाति आवासीय विद्यालय खोला जायेगा।

V. कामां–भरतपुर, जेतडासर (बाप)–जोधपुर एवं नाचना (पोकरण)–जैसलमेर में अल्पसंख्यक बालक आवासीय विद्यालय तथा सरवाड़–अजमेर में अल्पसंख्यक बालिका आवासीय विद्यालय खोला जायेगा।

VI. लक्ष्मणगढ़–सीकर में स्काउट आवासीय विद्यालय खोला जायेगा।

VII. छोगा का खेड़ा व उरियो की भागल–राजसमंद संस्कृत विद्यालयों को क्रमोन्नत किया जायेगा।

VIII. रायथल–बूंदी, खानवास (लवाण)–दौसा, गुरदह (मंडरायल)–करौली एवं लुहावद (इटावा)–कोटा में 50–50 क्षमता के बालिका छात्रावास खोले जायेंगे।

IX. कस्बा थाना, देवरी (शाहबाद) व भंवरगढ़ (किशनगंज)–बारां में तीन सहरिया बालिका छात्रावास तथा शाहबाद–बारां में अन्य जनजातियों हेतु बालिका छात्रावास का निर्माण किया जायेगा। इन पर 12 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

X. बहरावण्डा (सिकराय)–दौसा में सावित्री बाई फुले बालिका छात्रावास, तलैया (बिछीवाड़ा)–डूंगरपुर व प्रतापगढ़ में जनजाति बालक आश्रम छात्रावास, गडामोरैया–डूंगरपुर तथा कुराबड–उदयपुर में जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास खोले जायेंगे।

XI. दामोलाई मय राणेर (खाजूवाला)–बीकानेर, ओसियां–जोधपुर, फलसुण्ड (पोकरण)–जैसलमेर एवं उनियारा–टोंक में अम्बेडकर छात्रावास खोले जायेंगे।

XII. दूदू–जयपुर में अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास खोला जायेगा। साथ ही, मानसरोवर–जयपुर स्थित अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास की क्षमता 100 से बढ़ाकर 200 की जायेगी।

XIII. 33 जनजाति छात्रावासों में 605 अतिरिक्त विद्यार्थियों के प्रवेश; बालिका छात्रावास समरानियां–बारां में 50; कन्या महाविद्यालय छात्रावास, शाहबाद–बारां में 75 तथा सागवाड़ा–डूंगरपुर व हरेंगजी का खेड–बांसवाड़ा के आवासीय विद्यालयों में 120 अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए क्षमता वृद्धि की जायेगी। इस पर 18 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

XIV. राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापोल–जयपुर में उर्दू विषय शुरू किया जायेगा।

XV. उच्च शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दृष्टि से कन्या महाविद्यालय–चूरू, हनुमानगढ़, मगरा पूंजला–जोधपुर, करौली, प्रतापगढ़, राजसमंद, किशनपोल–जयपुर; विधि महाविद्यालय, सिरोही एवं लक्ष्मणगढ़–सीकर व भीम–राजसमंद के महाविद्यालय सहित 30 विभिन्न स्नातक (UG) महाविद्यालयों को स्नातकोत्तर (PG) महाविद्यालयों में क्रमोन्नयन किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, सीमलवाड़ा–डूंगरपुर में कला संकाय, हनुमानगढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद एवं ब्रह्मपुरी–जयपुर में विज्ञान संकाय सहित 50 महाविद्यालयों में विज्ञान, वाणिज्य एवं कला के संकाय/विषय प्रारम्भ किये जायेंगे।

XVI. सिरोही महाविद्यालय में एमबीए पाठ्यक्रम शुरू किया जायेगा।

XVII. उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालयों को Assessment एवं Accreditation करवाये जाने हेतु आवश्यक आधारभूत संसाधन उपलब्ध करवाये जायेंगे। इस हेतु आवेदन किये जाने पर 10 लाख रुपये तथा ग्रेड/आधारभूत संरचना के upgradation के लिए प्रति महाविद्यालय अधिकतम 50 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जायेगी। इस पर 30 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

XVIII. राजकीय कन्या महाविद्यालय ब्यावर–अजमेर का नामकरण स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व शिक्षा मंत्री बृजमोहनलाल शर्मा के नाम पर किया जाना प्रस्तावित है।

XIX. फुलवारा (सेवर)–भरतपुर, रामगढ़ पचवारा (लालसोट)–दौसा एवं गागरिया (शिव)–बाड़मेर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) खोले जायेंगे।

9. प्रदेश के पंजीकृत मदरसों में अध्ययन–अध्यापन सुविधाओं का विस्तार करने की दृष्टि से–

I. शिक्षा विभाग की तर्ज पर प्रति विद्यार्थी 2 सेट निःशुल्क यूनिफॉर्म उपलब्ध करवाया जाना प्रस्तावित है। इस पर लगभग 15 करोड़ रुपये का व्यय कर 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा।

II. शिक्षा अनुदेशक (मदरसा पैराटीचर्स) के 6 हजार 843 पदों पर भर्ती किये जाने की घोषणा करता हूँ।

10. राज्य के युवाओं/विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में NCC की महती भूमिका को ध्यान में रखते हुए एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, जोधपुर में प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना की जायेगी। इस पर 15 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

**खेल :**

11. युवाओं का खेलों की ओर रूझान बढ़ाने तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए हमारे द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक्स का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रकार पंचायत से राज्य स्तर तक होने वाली खेल गतिविधियों को सुचारू रूप से सम्पादित करने के लिए संभाग स्तर पर खेल प्रबन्धक तथा जिला स्तर पर सहायक खेल प्रबन्धक के नवीन पदों का सृजन किया जाना प्रस्तावित है।

12. चूरू व पाली में 10 करोड़ रुपये की लागत से स्पोर्ट्स स्कूल स्थापित किये जायेंगे।

13. खेल प्रतिभाओं को समुचित प्रोत्साहन देने के लिए उठाये गये कदमों की कड़ी में खेल अकादमी, स्टेडियम, Indoor Halls आदि के निर्माण/विकास कार्य करवाये जायेंगे, जो इस प्रकार हैं–

I. डीडवाना–नागौर में कबड्डी अकादमी शुरू की जायेगी।

II. चांदोली (उमरैण)–अलवर, तारानगर–चूरू, मनियां–धौलपुर, रोजदा (जालसू)–जयपुर, पाल (लूणी)–जोधपुर, परसरामपुरा (नवलगढ़)–झुंझुनूं, देवली–टोंक एवं जसवंतगढ़ (गोगुन्दा)–उदयपुर में **खेल स्टेडियम** का निर्माण एवं विकास कार्य करवाये जायेंगे।

III. अमृतलाल स्टेडियम चैनपुरा–जोधपुर को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जायेगा।

IV. राजगढ़–चूरू एवं जैसलमेर में Indoor Halls का 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण करवाया जायेगा।

V. पोलो ग्राउण्ड (माउंट आबू)–सिरोही का 18 करोड़ रुपये की लागत से सुदृढ़ीकरण करवाया जायेगा। साथ ही, उदयपुर में पोलो ग्राउण्ड एवं डबल ट्रैप शूटिंग रेंज का निर्माण कार्य करवाया जायेगा।

VI. सीकर में सिन्थेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण किया जायेगा।

VII. लक्ष्मणगढ़ एवं नेछवा–सीकर के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में खेल मैदान विकसित किये जायेंगे।

VIII. राज्य में फुटबॉल एवं हॉकी के अन्तरराष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट आयोजन की सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में Astroturf, फ्लड लाइट, पैवेलियन, सिटिंग चेयर आदि अत्याधुनिक सुविधायें 10 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जायेंगी।

**चिकित्सा एवं स्वास्थ्य :**

**14.** चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को वृहद् रूप देते हुए कॉकलियर इम्प्लांट के replacement एवं Type-I diabetes mellitus (T1DM) से प्रभावित रोगियों हेतु Insulin Pumps के पैकेज को आवश्यकतानुसार शामिल किया जाना प्रस्तावित है।

15. प्रदेश के राजकीय चिकित्सा संस्थानों के माध्यम से मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना के अन्तर्गत विभिन्न दवाइयों की उपलब्धता को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए **Rajasthan Drugs and Pharmaceutical Limited (RDPL)** कम्पनी को राजकीय कम्पनी (State PSU) के रूप में पुनर्जीवित किये जाने की घोषणा करता हूँ।

16. प्रदेश में चिकित्सा सेवाओं के विस्तार एवं आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दृष्टि से उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप जिला चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय, ट्रोमा सेन्टर, ब्लड बैंक आदि खोले/क्रमोन्नत किये जाने के साथ–साथ अन्य सुविधायें विकसित की जायेंगी, जो इस प्रकार हैं–

I. सम्मो की ढाणी (दूदाबेरी), आदर्श बस्ती नांद, रेवाडा (पचपदरा)–**बाड़मेर**, जाणियों की ढाणी (सांचौर)–**जालोर,** बोलादरा–**डूंगरपुर**, सैनिक नगर (खींवसर)–**नागौर**, फूसखाणी (मण्डावा)–**झुंझुनूं** सहित 500 **उप स्वास्थ्य केन्द्र** खोले जायेंगे।

II. रिजर्व पुलिस लाईन/बटालियन मुख्यालय/प्रशिक्षण संस्थानों हेतु 20 उप स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किये जायेंगे।

III. बांदरसिंदरी (किशनगढ़)–**अजमेर**, द्वारापुर (थानागाजी)–**अलवर**, जैतगढ़ (बदनोर), छापडेल (कोटड़ी), टीटोडा जागीर (जहाजपुर) –**भीलवाड़ा**, पाटिया गलिया–**बांसवाड़ा**, फुलवारा (सेवर), सलेमपुर खुर्द (वैर)–**भरतपुर**, मूंदीताल (राजगढ़)–**चूरू**, शादी –**चित्तौड़गढ़**, धनावड, रलावता (बांदीकुई), बिशनपुरा–**दौसा**,

मछरिया (राजाखेड़ा)–**धौलपुर**, शाहपीनी (संगरिया) –**हनुमानगढ़**, बूडथल, रूपाहेडी कलां (बस्सी), गाड़ोता (दूदू), नांगल भारड़ा (शाहपुरा)–**जयपुर**, रामा (फतेहगढ़), जालूवाला, पदमपुरा (पोकरण)–**जैसलमेर,** संतोड़ा खुर्द (ओसियां), बुडकिया (भोपालगढ़), नौसर (लोहावट), कृष्णनगर कलां–**जोधपुर**, चुडेला (अलसीसर)–**झुंझुनूं**, आकेली (मेड़ता), खारिया (लाडनूं)–**नागौर**, सिन्दरू (सुमेरपुर), माण्डावास (रोहट)–**पाली**, सेमल (देलवाड़ा) –**राजसमंद,** पनिहारवास (खण्डेला), पुरोहित का बास (पिपराली), शाहपुरा (धोद)–**सीकर**, चैनपुरा (निवाई)–**टोंक** तथा गतराली (खैरवाड़ा)–**उदयपुर** के **उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

IV. मेवदा कलां, स्यार (केकड़ी)–**अजमेर**, जगता बसई (किशनगढ़बास), टिटपुरी, गारू, सौंख (कठूमर), नयाबास (बानसूर)–**अलवर**, बागावास (पाटौदी), छोटू, लूणवा जागीर (गुडामलानी), उण्डखा–**बाड़मेर**, जारोली, मोरौली कलां (सेवर) –**भरतपुर,** दांथल (सुवाणा)–**भीलवाड़ा**, दिवड़ा बड़ा, नया गांव (सागवाड़ा)–**डूंगरपुर,** भीमसर (मण्डावा), सौंथली (नवलगढ़) –**झुंझुनूं**, आकोदा (फुलेरा), मुहाना मंडी–**जयपुर**, जाटी भांडू (शेरगढ़), झालामण्ड (लूणी)–**जोधपुर**, शंखवाली (आहोर) –**जालोर,** नया गांव, नीदर (सपोटरा)–**करौली**, भदलिया (डीडवाना), तंवरा (जायल)–**नागौर**, सोजत–**पाली** तथा करड (दांतारामगढ़)–**सीकर** में **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र** खोले जायेंगे।

V. हरसानी (गडरारोड), परेऊ (गिड़ा)–**बाड़मेर**, मोकमपुरा (कुशलगढ़)–**बांसवाड़ा**, मुकाम (नोखा), बरसिंहसर–**बीकानेर**, शक्करगढ़ (जहाजपुर)–**भीलवाड़ा**, गुढालिया (बांदीकुई)–**दौसा**, सुरेवाला (संगरिया)–**हनुमानगढ़**, साईवाड (विराटनगर)–**जयपुर**, बारा कलां (ओसियां), जाम्बा (बाप)–**जोधपुर**, अजाड़ी कलां–**झुंझुनूं**, झारेड़ा (हिण्डौनसिटी)–**करौली**, सांजू (डेगाना), कसनाऊ (जायल)–**नागौर**, शिशोदा कलां (नाथद्वारा)–**राजसमंद**, बाय (दांतारामगढ़), फागलवा (धोद)–**सीकर**, जैतसर (सूरतगढ़)–**श्रीगंगानगर** तथा नासिरदा (देवली–उनियारा)–**टोंक** के **प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

VI. सिवाना–**बाड़मेर**, कुशलगढ़–**बांसवाड़ा**, श्रीडूंगरगढ़–**बीकानेर** चिड़ावा–**झुंझुनूं** एवं किशनगढ़ रेनवाल, चौमूं, फुलेरा–**जयपुर** के **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

VII. पोकरण–जैसलमेर के उप जिला चिकित्सालय को **जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

VIII. बानसूर–अलवर में ट्रोमा सेन्टर खोला जायेगा।

IX. अमृतकौर अस्पताल, ब्यावर–अजमेर में नवीन भवन का निर्माण करवाया जायेगा।

X. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (RUHS), जयपुर में सुपर स्पेशियलिटी विभागों–Gastroenterology, Neuro

Surgery, Pediatric Cardiology एवं Pediatric Nephrology की एक–एक यूनिट स्थापित की जायेगी।

XI. मसूदा–अजमेर व रावतभाटा (बेगूं)–चित्तौड़गढ़ में नर्सिंग महाविद्यालय तथा नावां–नागौर में बीएससी नर्सिंग महाविद्यालय खोला जायेगा।

XII. कुचामनसिटी–नागौर में Special Newborn Care Unit (SNCU) एवं Maternal and Child Health (MCH) विंग खोली जायेंगी। साथ ही, बगरू–जयपुर व तिजारा–अलवर में MCH विंग शुरू की जायेगी।

XIII. शेष रही 38 पंचायत समितियों में भी BCMHO कार्यालय खोले जायेंगे।

XIV. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोतीकटला–जयपुर में मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्र तथा श्वसन रोग निदान केन्द्र का 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण किया जायेगा।

XV. जिला चिकित्सालय कुचामनसिटी–नागौर में **बेड क्षमता** 150 से बढ़ाकर 300; सेटेलाइट अस्पताल मोती डूंगरी रोड–जयपुर में बेड क्षमता 50 से बढ़ाकर 150; सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेतड़ी–झुंझुनूं एवं भीनमाल–जालोर में बेड क्षमता 75 से बढ़ाकर 100 बेड तथा टपूकड़ा (तिजारा)–अलवर, बडाऊ–झुंझुनूं, गुढ़ाचन्द्रजी–करौली व रामगढ़ शेखावाटी–सीकर में बेड क्षमता 30 से बढ़ाकर 50 की जायेगी।

XVI. नवलगढ़–झुंझुनूं, नोहर–हनुमानगढ़ एवं जायल–नागौर में **ब्लड बैंक** स्थापित किये जायेंगे।

XVII. सिन्दरू (सुमेरपुर)–पाली में **आयुर्वेद चिकित्सालय** खोला जायेगा।

XVIII. यूनानी चिकित्सा सुविधा के विस्तार हेतु भरतपुर में Centre of Excellence in Regimental, Hijama Therapy खोला जायेगा।

XIX. दंत चिकित्सा महाविद्यालय–जयपुर में 180 आवासीय क्षमता के महिला छात्रावास का 20 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण करवाया जायेगा।

XX. समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों में IT based अध्ययन–अध्यापन के लिए Smart Classrooms बनाये जायेंगे। इस पर 25 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

17. सवाई मानसिंह चिकित्सालय/महाविद्यालय, जयपुर में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार हेतु–

I. 'Stroke Intervention Lab' स्थापित की जायेगी।

II. दवा वितरण केन्द्र एवं सेम्पल कलेक्शन हेतु 15 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला भवन का निर्माण करवाया जायेगा।

III. बढ़ते रोगीभार एवं आमजन की सुविधा के दृष्टिगत सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर में 75 करोड़ रुपये की लागत से पार्किंग सुविधा विकसित की जायेगी।

**सड़क सुरक्षा :**

18. सड़क सुरक्षा की दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त वाहन चालन प्रशिक्षण केन्द्रों/स्कूलों के निर्धारित प्रशिक्षण वाहनों को मोटर वाहन कर से मुक्त किया जायेगा।

**सामाजिक सुरक्षा :**

19. विशेष योग्यजन की आवश्यकताओं के दृष्टिगत प्रतिष्ठित NGOs के माध्यम से प्रत्येक संभाग मुख्यालय पर मानसिक विमंदित महिलाओं हेतु पुनर्वास गृह संचालित करने तथा प्रत्येक जिले में राजकीय मानसिक विमंदित, मूक, बधिर, नेत्रहीन श्रेणी के विशेष योग्यजन विद्यालय खोले जाने प्रस्तावित करता हूँ।

20. 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के पक्ष में निष्पादित सभी प्रकार के विलेखों पर स्टाम्प ड्यूटी निःशुल्क किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, ट्रांसजेण्डर व्यक्तियों के पक्ष में अचल सम्पत्ति के दस्तावेजों पर भी स्टाम्प ड्यूटी निःशुल्क की जायेगी।

21. प्रदेश में महिलाओं को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आगामी वर्ष प्रथम चरण के रूप में नगरीय क्षेत्रों के बाजारों एवं Public Places पर महिलाओं के लिए **सुलभ संस्था** के माध्यम से 500 स्थानों पर toilets बनाये जाने के साथ ही 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में भी महिलाओं के लिए toilets एवं स्नानागार कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इन पर लगभग 100 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

22. 1 नवम्बर, 1962 से विभिन्न युद्धों एवं ऑपरेशनों में पदकों से अलंकृत प्रदेश के शूरवीरों को देय सुविधाओं में विसंगतियों को दूर किये जाने के साथ ही तटरक्षक (Coast Guard) मेडल से अलंकृत सैनिकों के लिए भी आवश्यक प्रावधान किये जायेंगे। साथ ही, नगी (श्रीकरणपुर)–श्रीगंगानगर में भारत–पाक सीमा पर स्थित वार मेमोरियल सेन्टर में विकास कार्य करवाये जायेंगे।

**23.** इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को ध्यान में रखते हुए पात्रता की अधिकतम आयु सीमा को 40 वर्ष से बढ़ाकर 60 वर्ष करने तथा इस योजना की अवधि को 31 मार्च, 2024 तक बढ़ाये जाने की घोषणा करता हूँ।

## आधारभूत सुविधायें :

**24.** प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क, पुल व ROB आदि के निर्माण एवं उन्नयन कार्य **2 हजार 600 करोड़ रुपये** से अधिक की लागत से करवाये जाना प्रस्तावित हैं, जो इस प्रकार हैं–

I. सड़क एवं पुलों के कार्य–

| **क्र. सं.** | **सड़क का नाम** | **लागत (करोड़ों में)** |
|---|---|---|
| 1. | जोबनेर में जोबनेर महल सड़क से शुरू होकर जोबनेर फुलेरा सड़क एवं जयपुर–जोबनेर नागौर को (एसएच–90) के क्रॉस करते हुए जोबनेर बाईपास निर्माण (फुलेरा) (8.3 किमी.)–जयपुर | 46 करोड़ रुपये |
| 2. | सरिपिपली से उठाखेड़ा के बीच जाखम नदी पर पुल निर्माण (बड़ी सादड़ी)–प्रतापगढ़ | 4 करोड़ रुपये |
| 3. | बधाल सीमा से जुनसिया–ईटावा, नाड़िया से रायसिंह का बास, लोहरवाड़ा से देवपुरा एवं विमलपुरा से आलीसर सड़क (जयपुर) | 2 करोड़ 37 लाख रुपये |
| 4. | घटियाली से गणेशपुरा, जोताया से रघुनाथगढ़, भाटोलाव से सोहनपुरा, मीणों का नया गांव से बोगला, चकवा चकवी से मुख्य सड़क, सरवाड से जडाना चापडवाले बालाजी, जडाना से माता बखियारानी, जोताया से जावला एवं सलारी से बघेरा सड़क (केकड़ी) (अजमेर) | 9 करोड़ 43 लाख रुपये |
| 5. | झुंवासा हेड (बडून्दा) से ऐबरा तक सड़क (6.5 किमी.) (बूंदी) | 4 करोड़ 62 लाख रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 6. | मण्डलनाथ जंक्शन–जोधपुर पर 4 लेन फ्लाई ओवर एवं आरओबी का निर्माण (जोधपुर) | 80 करोड़ रुपये |
| 7. | नीमकाथाना–कोटपूतली (38 किमी.) 2 लेन स्टेट हाईवे को 4 लेन (सीकर–जयपुर) | 178 करोड़ रुपये |
| 8. | शाहपुरा में भीलवाड़ा–देवली रोड के मध्य बाईपास का निर्माण ( भीलवाड़ा) | 10 करोड़ रुपये |
| 9. | किशनगढ़ बास–खैरथल–कोटपुतली पर रेलवे क्रॉसिंग पर पुलिया निर्माण (आरओबी) (किशनगढ़ बास, अलवर) | 50 करोड़ रुपये |
| 10. | हाई लेवल पुल–अनास नदी पर, ग्राम पाटिया, (आनंदपुरी, बांसवाड़ा) | 49 करोड़ रुपये |
| 11. | भाण्डारेज–सराय रास्ते पर खारंडी नदी पर पुलिया (सिकराय, दौसा) | 12 करोड़ रुपये |
| 12. | ग्राम टोंटरी, पुरा मदारी के पास पार्वती नदी पर पुलिया (बाडी, धौलपुर) | 14 करोड़ रुपये |
| 13. | बावलवाडा स्थित सोम नदी पर पुल (खेरवाडा, उदयपुर) | 5 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 14. | जसाई से राणीगांव सनाडा (25 किमी.) (बाड़मेर) | 22 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 15. | धौरीमन्ना गुड़ा किमी 8 से उडासर–बांड–बुडिया नाडा –अणदाणियों की ढाणी–अर्जुन की ढाणी–मंगले की बेरी –नोखड़ा (49 किमी.) (गुड़ामालानी, बाड़मेर) | 33 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 16. | निम्बाहेड़ा से मंगलवाड 2 लेन हाईवे को फोर लेन हाईवे (41 किमी.) (निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़) | 150 करोड़ रुपये |
| 17. | गोलसर से मेगा हाईवे तक वाया नांगला जोहड तक (6 किमी.) (सरदारशहर, चूरू) | 2 करोड़ 10 लाख रुपये |
| 18. | मेघवाल बस्ती से हरीराम बाबा के मंदिर तक बोबासर–बीदावतान (3. 2 किमी.) (सुजानगढ़, चूरू) | 1 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 19. | कोटवालो का बास से रलावता तक (3.5 किमी.) (बांदीकुई, दौसा) | 1 करोड़ 30 लाख रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 20. | भाण्डारेज से रलावता तक (6 किमी.) (सिकराय, दौसा) | 2 करोड़ 40 लाख रुपये |
| 21. | करमेला घाटी से श्मशान घाट व कुण्डीफला तक (5 किमी.) (चौरासी, डूंगरपुर) | 2 करोड़ रुपये |
| 22. | रेंटा मुख्य से शमशान घाट से वाणियावाडा तक (3.5 किमी.) (चौरासी, डूंगरपुर) | 1 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 23. | कालाखाईया से महुडी फला तक (3 किमी.) (डूंगरपुर) | 2 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 24. | घेऊ से मलसीसर (9 किमी.) (भादरा, हनुमानगढ़) | 3 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 25. | सागड़ा से बांडाहेडी (7.9 किमी.) ( भादरा, हनुमानगढ़) | 3 करोड़ 16 लाख रुपये |
| 26. | बालाजी हनुमान मन्दिर से नहर की पटरी होते हुए 26 आडी हैड तक, ग्राम हरीपुरा, संगरिया (3.5 किमी.) (हनुमानगढ़) | 1 करोड़ 40 लाख रुपये |
| 27. | खेलना बागावास से शनि महाराज तक (19.75 किमी.) ( विराटनगर, जयपुर) | 20 करोड़ 55 लाख रुपये |
| 28. | आकोडिया गांव से बीआरओ तक (7 किमी.) (सांचौर, जालोर) | 2 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 29. | पिलानी ब्लॉक में विभिन्न सड़कों के कार्य (25 किमी.)(पिलानी, झुंझुनूं) | 8 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 30. | धोरेरा–दरगमा वाया सीतापुरा (3 किमी.) (सपोटरा, करौली) | 1 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 31. | भाडोती–खिरनी–बौंली–लाखनपुर–दतवास (लाखनपुरा बंधा) से शीशोलाव बपूई वाया रामविलास–मूलचंद ढाणी बेनाड ढाणी (10 किमी.) (बामनवास, सवाई माधोपुर) | 6 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 32. | जटलाव–गुगडोद–मझेवला–मित्रपुरा (16 किमी.) (बामनवास, सवाई माधोपुर) | 9 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 33. | भाडोती खिरनी रोड से खिरनी तेजाजी मंदिर वाया धोला भाटा ढाणी | 15 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| | बडागांव कहार–जटवाडा से नींदरदा–भारजा गद्दी (बालाजी) से शेषा में पानी की टंकी तक–सुनारी से पुरानी जीएसएस से जोला–श्यामपुरा गांव से श्रीफूल की ढाणी, रईथा कलां पर पुलिया निर्माण, एमडीआर–111 पर झरेटी नाले पर पुलिया निर्माण, शेरपुर व खिलचीपुर के बीच नाले पर पुलिया निर्माण (22 किमी.) (सवाई माधोपुर) | |
| 34. | चारोडा धाम खण्डेला से चामुण्डा माता मन्दिर तक (2.5 किमी.) (खण्डेला, सीकर) | 3 करोड़ रुपये |
| 35. | जाजीम मोहल्ला पुल से बल्लुपुरा होते हुए रामपुरा सीमा तक (4 किमी.) (नीमकाथाना, सीकर) | 3 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 36. | पांचू खरकडा से डूंगा की नांगल वाया बंदरी की ढाणी तक, नीमकाथाना (5.5 किमी) (नीमकाथाना, सीकर) | 2 करोड़ 75 लाख रुपये |
| 37. | रजवास से जिला सीमा जयपुर तक वाया सीदड़ा, खणदेवत, वनस्थली, चतुर्भुजपुरा, प्रतापपुरा, राहोली तक (20 किमी.) (टोंक) | 10 करोड़ रुपये |
| 38. | मुख्य सड़क से जाखड़ों की ढाणी तक, लालावास (खींवसर, नागौर) | 40 लाख रुपये |
| 39. | रोहट से जालोर सड़क के 23 किमी. भाग का नवीनीकरण (पाली, जालोर) | 10 करोड़ रुपये |
| 40. | एनएच–325 (गंगावा) से मण्डाला तक (7 किमी.) (जालोर) | 3 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 41. | इन्दावड से आकेली ए होती हुए ग्राम धनेरिया तक (15 किमी.) (मेड़ता, नागौर) | 9 करोड़ रुपये |
| 42. | लीलया से आकेली ए होते हुए मेड़ता तक (25 किमी.) (मेड़ता, नागौर) | 15 करोड़ रुपये |
| 43. | रैगरों के मोहल्ले से पथवारी स्कूल, चौकीदारों (मालियों) की ढाणी होते हुए भूडला सीमा तक, माधोगढ़, (3 किमी.) (तूंगा, जयपुर) | 1 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 44. | सोनगरों की खेड़ी से नेगडिया–लक्ष्मीपुरा–सोनगर –जयसिंहपुरा–मेघपुरा तक (12 किमी.) (चित्तौडगढ़) | 4 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 45. | पचेरी–भालोट हरियाणा सीमा तक (12 किमी.) (पिलानी, झुंझुनूं) | 16 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 46. | खण्डवा–सांतोर–निहालोठ हरियाणा सीमा तक (14 किमी.) (पिलानी, झुंझुनूं) | 19 करोड़ रुपये |
| 47. | बर्र से धूलकोट (4 किमी.) (सोजत, पाली) | 1 करोड़ 40 लाख रुपये |
| 48. | देवगढ़ शहर में बाईपास सड़क (11 किमी.) (भीम, राजसमंद) | 25 करोड़ रुपये |
| 49. | दलपतपुरा बाईपास (5 किमी.) (नीमकाथाना, सीकर) | 5 करोड़ रुपये |
| 50. | केकड़ी ब्लॉक में विभिन्न सड़कों का निर्माण (15 किमी.) (केकड़ी, अजमेर) | 9 करोड़ 40 लाख |
| 51. | अमरगढ़ से मरडावाला, अखेराम खेड़ा से मधुपुरिया तक वाया हणुतिया बालाजी (9 किमी.) (जहाजपुर, भीलवाड़ा) | 3 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 52. | बडला से सवाईपुर तक (4 किमी.)(भीलवाड़ा) | 1 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 53. | शिव मंदिर निंदौला से गोरों की ढाणी वाया सामौतों की ढाणी निदौंला (1.7 किमी.) (शाहपुरा, जयपुर) | 80 लाख रुपये |
| 54. | बिणजारीदर्रा, धारोला, सावनभादो (नयागांव), रानीपुरा, याकूबपुरा, ज्ञानपुरा (रघुनाथपुरा), तुम्बीपुरा, भीमगंज (20 किमी.) ( देवली उनियारा, टोंक) | 13 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 55. | बिडदपुरा से खण्डाच वाया कालानाडा (7.75 किमी.) (किशनगढ़, अजमेर) | 3 करोड़ 30 लाख रुपये |
| 56. | बुबकाहेड़ा से ग्वाल्दा वाया निम्बाहेड़ी उबाराका (7 किमी.) (तिजारा, अलवर) | 3 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 57. | बाछला से गंगापुरा होते हुए कोटतिलाण जालोर सीमा तक (19 किमी.)(चौहटन,बाड़मेर) | 13 करोड़ 30 लाख रुपये |
| 58. | सेडवा से वाया कारटिया, आकल, सोमारडी से कोट तिलाण तक (37 किमी.) (चौहटन, बाड़मेर) | 25 करोड़ 90 लाख रुपये |
| 59. | भाडखा से गिरल (16 किमी.) (शिव, बाड़मेर) | 12 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 60. | गारोली से मुढेरा वाया नगला देशवाल तक (6 किमी.) (नगर, | 2 करोड़ 60 लाख |

| | | |
|---|---|---|
| | भरतपुर) | रुपये |
| 61. | बीकानेर से कानासर तक (10 किमी.) (खाजूवाला, बीकानेर) | 2 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 62. | मेगा हाईवे (एसएच–25) से अलवर जिला सीमा तक वाया बसवा, उपरेडा, सबडावली, कुकरवाडी, बनापुरा, झोपडी पेसेरान, लिलोज व केशुपुरा (16 किमी.) (बांदीकुई, दौसा) | 8 करोड़ 83 लाख रुपये |
| 63. | स्टेट हाईवे–78 दौसा–कठूमर सड़क (8.5 किमी.) (दौसा) | 12 करोड़ रुपये |
| 64. | जगदीश चौराहे से भागीरथपुरा तिराहा एनएच 123 धौलपुर (सैपऊ) रोड (6.5 किमी.) (धौलपुर) | 13 करोड़ रुपये |
| 65. | धौलपुर से नगर वाया मोरोली सहरोन (18 किमी.) (धौलपुर) | 18 करोड़ रुपये |
| 66. | सुलताना से लोयल (10 किमी.) (झुंझुनूं) | 6 करोड़ रुपये |
| 67. | चनाना से भटीवाड (5 किमी.) (झुंझुनूं) | 3 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 68. | राहिर सड़क (22 किमी.) (सपोटरा, करौली) | 11 करोड़ रुपये |
| 69. | गोठ, रातगां से रोल–मुण्डवा तक (30 किमी.) (जायल, नागौर) | 21 करोड़ रुपये |
| 70. | एनएच–58 से साडोकन–ईनाणा–फिडोदा–चिमराणी–बासनी–सिंगड–गोगानाडा–थंलाजू–डेरवा–कालडी–केडली जिला सीमा तक (53 किमी.) ( नागौर) | 31 करोड़ रुपये |
| 71. | कूण से मालागुढ़ा, सरगना तलाई (6 किमी.) (लसाड़िया, उदयपुर) | 3 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 72. | कालीभींत से अमरपुरा (8 किमी.) (लसाड़िया, उदयपुर) | 6 करोड़ रुपये |
| 73. | भादरा शहर में रेलवे क्रॉसिंग सी–65 पर अंडरब्रिज (भादरा, हनुमानगढ़) | 5 करोड़ रुपये |
| 74. | नगर निगम ग्रेटर–जयपुर के वार्ड संख्या 1 से 42 में नॉन पेचेबल तथा मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण | 2 करोड़ रुपये |
| 75. | सांवलोदा पुरोहितान से परडोली छोटी (3.5 किमी.)(सीकर) | 1 करोड़ 5 लाख रुपये |
| 76. | किफायत नगर से सजन का पार (6 किमी.) (शिव, बाड़मेर) | 2 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 77. | मण्डलनाथ जंक्शन से नागौर रोड वाया करवड़ (जोधपुर ) | 9 करोड़ 24 लाख रुपये |
| 78. | किशनपुरा बंदा सड़क पर पुलिया निर्माण (अटरू, बारां) | 6 करोड़ रुपये |
| 79. | भैंसासुर बाणगंगा नदी पर पुलिया निर्माण (किशनगंज, बारां) | 42 करोड़ रुपये |
| 80. | ढीगाल–मण्डावा सड़क पर आरओबी निर्माण (मण्डावा, झुंझुनूं) | 45 करोड़ रुपये |
| 81. | एसएच–62 सुमेर पर पुलिया निर्माण (मारवाड़ जंक्शन–पाली) | 2 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 82. | पावा से भाचुन्दा नदी पर सड़क मय पुलिया निर्माण (7 किमी.) (सुमेरपुर, पाली) | 6 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 83. | माण्डवी–पारसोला रोड से सकीखेड़ा सड़क पर सुकली नदी पर पुलिया निर्माण (धरियावद, प्रतापगढ़) | 4 करोड़ रुपये |
| 84. | महुडी से धनोरा मीठी लिमड़ी वाया फुटी भेमखोज मुख्य सड़क एवं मेन रोड मीठी लिमड़ी से राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक डामरीकरण (4 किमी.)(चौरासी, डूंगरपुर) | 3 करोड़ रुपये |
| 85. | आमली फला से खरवेण्डा के बीच मोरन नदी पर पुलिया एवं खरवेण्डा नई बस्ती सड़क से कुणीया वाली माता होते हुए विरी सीमा तक सड़क मय रिंगवाल निर्माण (4 किमी.) (चौरासी, डूंगरपुर) | 5 करोड़ रुपये |
| 86. | घोऊ से मलसीसर सड़क (9 किमी.) (भादरा, हनुमानगढ़) | 3 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 87. | नाचना मुख्य सड़क से साकडिया तक सड़क (7 किमी.) (पोकरण, जैसलमेर) | 2 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 88. | पीर दरगाह–गांगियासर रोड (7.5 किमी.) (मण्डावा, झुंझुनूं) | 3 करोड़ रुपये |
| 89. | कोटडी–चकुण्डा–पंचेवा–निनोर–दलोट–लालखेड़ी–भमेडी–मोटिया–आम्बीरामा–ठिकरिया–अन्धारियावडला–नयाटापरा– अचलपुरा –रायपुर (35 किमी.)(प्रतापगढ़) | 10 करोड़ रुपये |
| 90. | सलूम्बर ब्लॉक में विभिन्न सड़कों का निर्माण (10 किमी.)(उदयपुर) | 4 करोड़ रुपये |
| 91. | अक्षरधाम मंदिर से चीना का बाडिया वाया पचकुण्डा सड़क तक चार लेन सड़क का निर्माण (4 किमी.) (जोधपुर) | 13 करोड़ 44 लाख रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 92. | पहाड़ी (कामां)–भरतपुर में बाईपास निर्माण (5.5 किमी.) | 10 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 93. | रामगढ़ शेखावाटी–सीकर में बाईपास सड़क (8 किमी.) | 14 करोड़ 40 लाख रुपये |
| 94. | अनूपगढ़ ब्लॉक की विभिन्न मिसिंग लिंक सड़क (10 किमी.) (श्रीगंगानगर) | 3 करोड़ रुपये |
| 95. | घनियासर से बीन्झासर तक वाया मालासर व कुलचासर (15 किमी.) (नोहर, हनुमानगढ़) | 6 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 96. | बरखेड़ा (एनएच 27) से अंता–सांगोद सड़क मय पुलिया (2 लेन से फोरलेन) (1.5 किमी.)(अंता, बारां) | 15 करोड़ रुपये |
| 97. | सोरसन में बह्माणी माताजी सड़क का सिंगल लेन से 2 लेन सड़क (2.25 किमी.) (अंता, बारां) | 4 करोड़ रुपये |
| 98. | भडसुई से नहर पर होते हुए घींसरी वाया फतेहपुर तक सड़क (10 किमी.) (अटरू, बारां) | 10 करोड़ रुपये |
| 99. | स्टेट हाईवे 61 पर काली घाटी में सड़क (8 किमी.) (मारवाड़ जंक्शन, पाली) | 10 करोड़ रुपये |
| 100. | सदीनसर–तिहावली–विहाय–भाखरवासी –ठिमोली का सुदृढ़ीकरण (16 किमी.)(फतेहपुर, सीकर) | 7 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 101. | नवरंगपुरा से गुढ़ारामदास सड़क, दतवास से भगवतपुरा, वनस्थली जोधपुरिया रोड से सुरिया वाया सुनारा सुनारी (22.5 किमी.) (निवाई, टोंक) | 6 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 102. | कुकस–छापरेडी सड़क (7.10 किमी.) (जयपुर) | 4 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 103. | बालोतरा शहर रेलवे फाटक नं. 3 व 4 पर रेलवे अण्डर ब्रिज निर्माण (बाड़मेर) | 10 करोड़ रुपये |
| 104. | चक 81 जीबी के रेलवे पिलर संख्या 73/0 से 73/1 के मध्य आरयूबी निर्माण (अनूपगढ़ से सूरतगढ़) (श्रीगंगानगर) | 6 करोड़ रुपये |
| 105. | मण्डोर चौकी से अंबाला बेरा, राखीदडा रोड पर रेलवे अण्डर ब्रिज का निर्माण (जोधपुर) | 5 करोड़ 10 लाख रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 106. | एनएच–8 से बांदरसिंदरी रोड तक (2 किमी.) (किशनगढ़, अजमेर) | 1 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 107. | उदयपुरवाटी में सम्पर्क/मुख्य लिंक सड़कों का निर्माण (52 किमी.) (झुंझुनूं) | 20 करोड़ रुपये |
| 108. | स्टेट हाईवे 90–बान्दरियों की ढाणी–ईनाणा–खेण–खारडा –बिठवाल–असावरी–हरसोलाव–गोठन सड़क (64 किमी.) (नागौर) | 30 करोड़ रुपये |
| 109. | नागौर–गोवाखुर्द–बरणगांव–बुठी (अर्जुनपुरा)–टांकला–आंकला–जोगीनाडा–बेराथल–जगरामपुरा–आचीणा (62 किमी.) (नागौर) | 30 करोड़ रुपये |
| 110. | मानेवाला से 5 एम.एन.डब्ल्यू.एम. मिसिंग लिंक रोड (4 किमी.) (सूरतगढ़) | 1 करोड़ 40 लाख रुपये |
| 111. | सेवकी खुर्द से चंगावड़ा से बुडकिया से पीपाड़ रोड (21 किमी.) (भोपालगढ़, जोधपुर) | 8 करोड़ रुपये |
| 112. | बीकानेर शहर में सांखला फाटक रेलवे क्रासिंग के समीप रेलवे अण्डरपास व कोटगेट फाटक पर रेलवे अण्डरब्रिज का निर्माण (बीकानेर) | 35 करोड़ रुपये |
| 113. | बायतु, अकदड़ा, जाजवा, सवाउ पदमसिंह, सुथला फांटा, सवाउ मूलराज सड़क (44 किमी.) (बायतू, बाड़मेर) | 41 करोड़ रुपये |
| 114. | जोधपुर नगर निगम (उत्तर) की सड़कों की मरम्मत व रिकारपेटिंग कार्य (जोधपुर) | 40 करोड़ रुपये |
| 115. | आलूखेड़ा–सवना–सिंहाड–कुराबड सड़क का चौड़ाईकरण (वल्लभनगर, उदयपुर) | 18 करोड़ रुपये |
| 116. | जवाहर नगर कच्ची बस्ती में टीला नं. 7 से रोटरी सर्किल तक एलीवेटेड रोड निर्माण की डीपीआर (जयपुर) | 5 करोड़ रुपये |
| 117. | बुर्ज ग्राम पंचायत से बागडियों की ढाणी होते हुए नीमूचाना रोड तक (5 किमी.) (बानसूर, अलवर) | 1 करोड़ 70 लाख रुपये |
| 118. | मांगरोल, सीसवाली, अन्ता, सांगोद सडक एनएच–51 ए पर सिंधपुरी से एनएच–2 तक अन्ता बायपास का टूलेन (अंता, बांरा) | 35 करोड़ रुपये |
| 119. | ईश्वरपुरा से चौकी, मूण्डला वाया भटवाडा गणेशजी एवं सीसी सड़क | 14 करोड़ 50 लाख |

| | | |
|---|---|---|
| | निर्माण मय पुलिया (सिंगल लेन से टूलेन में चौड़ाईकरण का कार्य) (अंता, बांरा) | रुपये |
| 120. | सांखली फान्टा से तरडेरी कला पंचायत तक, शिव (9 किमी.) (बाड़मेर) | 3 करोड़ रुपये |
| 121. | मेन रोड बसेड़ी (कोट पुलिया) से मासलपुर की ओर, बयाना (12 किमी) (भरतपुर) | 3 करोड़ 60 लाख रुपये |
| 122. | राजेडू से सोनियासर (15 किमी.) (डूंगरगढ़, बीकानेर) | 15 करोड़ रुपये |
| 123. | सिंहपुरा संगरिया मार्ग से 25 ए.एम.पी. 23 ए.एम.पी., 21 ए.एम.पी. होते हुए किशनपुरा तक, संगरिया (10.25 किमी.) (करणपुर, गंगानगर) | 3 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 124. | 19 ए.एम.पी. सादुलशहर संगरिया मार्ग तक वाया 18–20 ए.एम.पी. व 10–13 पीटीपी तक, संगरिया (7.5 किमी.) (करणपुर, गंगानगर) | 2 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 125. | 6 एसपीएम से सरदापुराजीवन (4.5 किमी.) (सादुलशहर, गंगानगर) | 1 करोड़ 70 लाख रुपये |
| 126. | एनएच–95 से पनिवाली–जोगीवाला–रोटनवाली (10 किमी.) (गंगानगर, सादुलशहर) | 10 करोड़ रुपये |
| 127. | ग्राम गारडू से कचनारिया वाया लापोडिया, सिनोदिया (13 किमी.) (दूदू, जयपुर) | 8 करोड़ रुपये |
| 128. | नवलगढ पंचायत समिति क्षेत्र में मिसिंग लिंक व सम्पर्क सड़कों का निर्माण व मरम्मत कार्य – (25 किमी.) (नवलगढ़, झुंझुनूं) | 9 करोड़ रुपये |
| 129. | ग्राम झाडेली–ऐवाद–डेह–जिन्दास–गोरचियों की ढाणी–जीवण बेरा– गंठीलासर–गोरेरा–श्यामसर–बोसेरी–लालगढ़ सड़क (73 किमी.) (जायल, नागौर) | 29 करोड़ रुपये |
| 130. | सीकर नागौर सीमा से श्यामगढ़, मारोठ, नावां (24 किमी.) (नावां, नागौर) | 22 करोड़ रुपये |
| 131. | एन.एच. 11 बलोद बडी–ठेडी कायमसर–ताखलसर–ढाकास सड़क – (19 किमी) (फतेहपुर, सीकर) | 6 करोड़ रुपये |
| 132. | एनएच 52 ठिकरिया पशु चिकित्सालय के सामने से गौरिया तक वाया बाजियों की ढाणी, रामदास का बास, हंगुनियां जोहडा, सामोता | 4 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| | का बास, उदयपुरा, बावलियों की ढाणी, खण्डेला (13 किमी.) (खण्डेला, सीकर) | |
| 133. | गढी खानपुर से बालाजी नगर वाया बालवाड, खण्डेला (6 किमी.) (सीकर) | 1 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 134. | टांक मोड एस एच 83 से दुल्हेपुरा तक टांक मोड व होद (जंक्शन निर्माण सहित) (2.5 किमी.) (खण्डेला, सीकर) | 3 करोड़ रुपये |
| 135. | दादिया से कटराथल वाया दिनापुरा, झीगर तक – (10 किमी.) (सीकर) | 3 करोड़ रुपये |
| 136. | कोलिडा तारपुरा सड़क से एस.एच. 8 वाया पालडी बेरी स्टेण्ड बेरी गोरू मील बसावा तिराहा, केमरी की ढाणी, बालाजी का नाडा तक – (18.5 किमी.) (सीकर) | 5 करोड़ रुपये |
| 137. | बुटोली स्टेण्ड से श्यामगढ वाया हरिपुरा, उनवाडा जोहडा, पकोड़ी प्याउ, जे के भटटा, गुढ़ा नाथूराम व अमीचन्द की ढाणी, अभयपुरा मोड, राजपुरा, यादवों की ढाणी, राजपुरा मोड केरवालो की ढाणी तक (16.9 किमी.) (सीकर) | 4 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 138. | जुराठडा से अभयपुरा मोड वाया देवनारायण जी के मन्दिर तक (5.5 किमी.) (सीकर) | 1 करोड़ 70 लाख रुपये |
| 139. | करौली मांसलपुर सीमा से उत्तर प्रदेश सीमा तक वाया बाजना (11 किमी.) (बयाना, भरतपुर) | 16 करोड़ रुपये |
| 140. | रूद से बारू, कोदियाखेडी, सिंहपुर, छापरी, जितिया, रेवलिया, सुरपुर, जयपुरा होते हुए भादसोडा तक, कपासन (42.5 किमी.) (कपासन, चित्तौड़गढ़) | 23 करोड़ रुपये |
| 141. | बुधवाली से राजियासर तक, रतनगढ़ (5 किमी.) (चूरू) | 1 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 142. | सरत से नरपुरा सड़क (नदी पर रपट सहित) वाया सारणेश्वर मंदिर (3 किमी.) (जालौर) | 2 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 143. | लबाना में मोदी केक्रशर पुलिया से बीएसएफ कैम्पस तक सड़क निर्माण – (3 किमी.) (जयपुर) | 1 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 144. | बैनाड रेलवे स्टेशन की पूर्व दिशा से जेडीए स्कीम रजत विहार तक | 15 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| | सेक्टर रोड (जयपुर) | |
| 145. | अमरपुरा स्कूल से वली तक, ग्रा.पं. अमरपुरा (4 किमी.) (उदयपुर ग्रामीण) | 2 करोड़ रुपये |
| 146. | चौसला बस स्टेण्ड से गुढ़ा रेलवे स्टेशन वाया ग्राम कुणी (8.5 किमी.) (नावां, नागौर) | 8 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 147. | सागवाड़ा से पूंजपुर, आसपुर (23 किमी.) (आसपुर, डूंगरपुर) | 23 करोड़ रुपये |
| 148. | अलवर ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न नॉन पेचेबल सड़कों के कार्य (15 किमी.)(अलवर) | 6 करोड़ रुपये |
| 149. | मुकाम मुख्य गेट से समराथल धौरा तक सड़क (3 किमी.) (नोखा, बीकानेर) | 1 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 150. | जेगला से सोवा वाया रासीसर–सुरपुरा (23 किमी.) (नोखा, बीकानेर) | 9 करोड़ 20 लाख रुपये |
| 151. | धोद में बाईपास सड़क का निर्माण (5 किमी.) (सीकर) | 10 करोड़ रुपये |
| 152. | वाण (थलिया स्कूल) से अन्दौर (5 किमी.) (शिवगंज, सिरोही) | 2 करोड़ 10 लाख रुपये |
| 153. | मडिया से पावटी जिला सीमा जालोर तक (5 किमी.) (सिरोही) | 2 करोड़ 10 लाख रुपये |
| 154. | महलाना से चंगई (6 किमी.) (तारानगर, चूरू) | 1 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 155. | डाबड छोटी से छीरवास छोटा तक (6 किमी.) (तारानगर, चूरू) | 1 करोड़ 80 लाख रुपये |
| 156. | रडसाना बास से अमरपुरा तहसील राजगढ़ तक (4 किमी.) (तारानगर, चूरू) | 1 करोड़ 20 लाख रुपये |

II. ROB के कार्य–

| क्र.सं. | आरओबी का कार्य | लागत |
|---|---|---|
| 1. | अलवर सिटी में एलसी 111ए पर चार लेन आरओबी का निर्माण कार्य (अलवर) | 62 करोड़ 86 लाख रुपये |
| 2. | सोडावास–मुण्डावर–कोटकासिम सड़क (एसएच 86) में | 36 करोड़ 31 लाख |

| | | |
|---|---|---|
| | एलसी 86 हरसोली में आरओबी का निर्माण (अलवर) | रुपये |
| 3. | पहाड़ी–नगर–खेड़ली–छोंकरवाड़ा सड़क (एसएच 22) में एलसी 67 पर खेड़ली गांव के पास आरओबी का निर्माण (अलवर) | 44 करोड़ 43 लाख रुपये |
| 4. | भरतपुर रीको औद्योगिक क्षेत्र में एलसी 38 पर आरओबी का निर्माण (भरतपुर) | 50 करोड़ 14 लाख रुपये |
| 5. | बीकानेर बाईपास में कांनासर गांव के पास एलसी 147 पर आरओबी का निर्माण (बीकानेर) | 45 करोड़ 1 लाख रुपये |
| 6. | सादुलपुर–झुंझुनूं सड़क (एसएच–41) में सादुलपुर के एलसी 144 पर आरओबी का निर्माण (चूरू) | 36 करोड़ 57 लाख रुपये |
| 7. | परिहारा–तालछापर मेगा हाईवे (एसएच 7) में परिहारा गांव के पास एलसी 14ए पर आरओबी का निर्माण (चूरू) | 41 करोड़ 17 लाख रुपये |
| 8. | एनएच लेफ्ट आउट भाग में चूरू शहर में एलसी 165 एसपीएल पर आरओबी का निर्माण (चूरू) | 55 करोड़ 43 लाख रुपये |
| 9. | सांचौर–रानीवाड़ा–मण्डार सड़क (एसएच 11) में रानीवाड़ा कलां के पास एलसी 114 पर आरओबी का निर्माण (जालोर) | 41 करोड़ 97 लाख रुपये |
| 10. | मेड़ता सिटी से मूण्डवा सड़क (एसएच 39) में मेड़ता रोड गांव के एलसी 101 पर आरओबी का निर्माण (नागौर) | 37 करोड़ 37 लाख रुपये |
| 11. | नीमकाथाना बाईपास (एसएच 37बी) में नीमकाथाना में एलसी 80 पर आरओबी का निर्माण (सीकर) | 60 करोड़ रुपये |
| 12. | हनुमानगढ़ से अनूपगढ़ सड़क (एसएच 94) में रंगमहल सूरतगढ़ के पास एलसी 91 पर आरओबी का निर्माण (श्रीगंगानगर) | 68 करोड़ 83 लाख रुपये |
| 13. | निवाई झिलाई सड़क (एसएच 117) में निवाई शहर के एलसी 36 पर आरओबी का निर्माण (टोंक) | 46 करोड़ 29 लाख रुपये |
| 14. | एनएच लेफ्ट आउट भाग पर निवाई शहर में एलसी 41 पर आरओबी का निर्माण (टोंक) | 47 करोड़ 27 लाख रुपये |

25. माननीय विधायकगण द्वारा वर्ष 2011 के बाद घोषित राजस्व गांवों को सड़क से जोड़ने की मांग को देखते हुए मेरे द्वारा वर्ष 2023–24 के बजट में 500 से अधिक आबादी वाले राजस्व गांवों को डामर सड़कों से जोड़ने की घोषणा की गयी थी। आदिवासी एवं मरूस्थलीय क्षेत्रों की परिस्थिति को देखते हुए अब मैं, इन क्षेत्रों के 250 से अधिक आबादी वाले राजस्व गांवों को चरणबद्ध रूप से जोड़ना प्रस्तावित करता हूँ।

26. आमजन की सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार के अधीन संचालित विभिन्न टोल सड़कों पर Toll Collection हेतु **फास्टेग (FASTag)** सुविधा लागू किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु 48 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

27. किशनगढ़–अजमेर की हवाई पट्टी (Air Strip) के विस्तार में पहाड़ी क्षेत्र के कारण उत्पन्न बाधा को दूर कर Commercial Airport के रूप में स्थापित करने हेतु DPR बनायी जायेगी।

28. आमजन को और अधिक राहत पहुँचाने के उद्देश्य से आगामी वर्ष माह अप्रेल से प्रशासन गांवों के संग तथा प्रशासन शहरों के संग अभियान चलाया जाना प्रस्तावित है। इसी अभियान में शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभान्वितों (beneficiaries) के Registration का कार्य भी किया जायेगा, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति/परिवार योजनाओं का लाभ लेने से वंचित नहीं रह जाये। इसी के साथ इन अभियानों में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित पूर्व में किये जाने वाले कार्यों के साथ ही अधिक राहत दी जायेगी, जो इस प्रकार है–

I. राजस्व शिविरों में राजस्व लोक अदालतों का आयोजन भी किया जायेगा।

II. नगरीय क्षेत्रों के परिधि नियन्त्रण क्षेत्र में स्थित ग्राम की आबादी के 500 मीटर की परिधि में कृषि भूमि का अकृषि (आवासीय) उपयोग होकर 31 दिसम्बर, 2013 से पूर्व भूखण्ड पर निर्माण हो चुका हो, ऐसी स्थिति में 30 सितम्बर, 2023 तक की अवधि के दौरान 300 वर्ग मीटर तक के आवासीय भूखण्डों के लिए प्रीमियम दर 5 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रीमियम दर के अनुसार 10 वर्ष की लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर फ्री–होल्ड पट्टे जारी किये जायेंगे।

III. साथ ही, इस अवधि में नगर पालिका सीमा में कृषि भूमि पर ऐसे भूखण्ड, जो पुरानी आबादी क्षेत्र के पास 2 मई, 2012 से पूर्व कृषि भूमि का अकृषि उपयोग होकर बिखरे हुए निर्मित भूखण्ड के रूप में विद्यमान हैं, उनको फ्री–होल्ड पट्टे दिये जाने हेतु 300 वर्गमीटर तक के आवासीय भूखण्ड पर 501 रुपये एकमुश्त तथा उक्तानुसार निर्धारित प्रीमियम राशि के बराबर 10 वर्ष की एकमुश्त लीज राशि ली जाकर पट्टा दिया जाना प्रस्तावित है।

IV. राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 'स्वामित्व योजना' के तहत ग्राम पंचायत की आबादी भूमि में आवासीय भूमि धारकों को नियमानुसार पट्टे दिये जा रहे हैं। इस क्रम में, 30 जून, 2023 तक की अवधि हेतु राजस्थान पंचायतीराज नियम, 1996 के नियम 157 के अधीन ली जाने वाली दरों में 50 प्रतिशत की छूट दिये जाने की घोषणा करता हूँ।

**29.** प्रदेश के सुनियोजित विकास हेतु 189 शहरों के लिए मास्टर प्लान बनाये जा चुके हैं। इसी कड़ी में नवगठित 44 नगर पालिकाओं तथा इस बजट में घोषित नगरीय निकायों के मास्टर प्लान भी तैयार किये जाने प्रस्तावित हैं। साथ ही, निकाय सीमाओं की समीक्षा कर विस्तार किया जायेगा।

**30.** सरकारी/सामुदायिक परिसम्पत्तियों/भूमियों को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए MLA LAD योजना में बाउंड्रीवाल के साथ–साथ तारबंदी को भी अनुमत करना प्रस्तावित करता हूँ।

**31.** अमृत 2.0 योजना के अन्तर्गत राज्य के 29 शहरों में सीवरेज के कार्य कराये जायेंगे। इस हेतु 4 हजार 700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के कार्य हाथ में लिये जायेंगे।

**32.** जयपुर हैरिटेज क्षेत्र की पुरानी एवं जीर्ण–शीर्ण सीवरेज लाइनों को बदलने का कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है। इन पर 296 करोड़ रुपये व्यय होंगे।

**33.** प्रदेश में सीवरेज व ड्रेनेज सम्बन्धी विभिन्न कार्य करवाये जायेंगे, ये कार्य हैं–

| **क्र.सं.** | **सीवरेज/ड्रेनेज कार्य** | **लागत** |
|---|---|---|
| 1. | सूंथली एवं कूकडोद (मकराना)–नागौर में बारिश के पानी की निकासी हेतु डीपीआर | 25 लाख रुपये |
| 2. | बहादुरपुर–अलवर में सीवरेज लाइन | 25 करोड़ रुपये |
| 3. | बालोतरा–बाड़मेर में गंदे पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज कार्य | 35 करोड़ रुपये |
| 4. | बीदासर–चूरू में सीवरेज कार्य | 25 करोड़ रुपये |
| 5. | हरमाड़ा, भडारणा एवं वीकेआई 17 नम्बर रोड–जयपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवरेज लाइन की डीपीआर | 6 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 6. | धौलपुर में सैपऊ मुख्य चौराहे से भरतपुर रोड, बसई नवाब रोड, बाड़ी रोड सालेपुर रोड में नाला निर्माण कार्य | 5 करोड़ रुपये |
| 7. | रामगढ़ शेखावाटी–सीकर में बरसाती पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज कार्य | 5 करोड़ रुपये |

**34.** डोल तालाब–बारां का सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्यों हेतु 50 करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे। साथ ही, श्री गलता पीठ–जयपुर में वर्षा जल संचय कर कानोता बांध तक ले जाने एवं कियारा बांध की मरम्मत, पुनर्निर्माण हेतु डीपीआर बनायी जायेगी।

**पेयजल :**

**35.** माननीय सदस्यों के माध्यम से कई स्थानों की पेयजल सम्बन्धी समस्या की जानकारी प्राप्त हुई है। अतः आने वाले गर्मी के मौसम में आमजन को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से मैं, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आवश्यकतानुसार 40 हैण्डपम्प एवं 10 ट्यूबवेल तक लगवाये जाना प्रस्तावित करता हूँ।

**36.** जल जीवन मिशन के अंतर्गत जाखम बांध से उदयपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ एवं राजसमंद जिलों के 8 कस्बों व 1 हजार 473 गांवों के लगभग 3 लाख परिवारों हेतु 4 हजार 674 करोड़ रुपये व्यय कर घर–घर जल कनेक्शन उपलब्ध कराये जाने प्रस्तावित हैं।

**37.** प्रदेश में पेयजल सुविधा के विस्तार हेतु विभिन्न कार्य करवाये जायेंगे, जो इस प्रकार हैं–

I. बगरू–जयपुर व 31 ग्राम पंचायतों को बीसलपुर पेयजल योजना से जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

II. शेरगढ़–जोधपुर में गगाड़ी से ढाढणिया आगोलाई पेयजल योजना हेतु 30 करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे।

III. जायल मातासुख परियोजना के अंतर्गत के जल जीवन मिशन के तहत जायल–नागौर के अरवड एवं धारणा गांवों में उचित दबाव से पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु 2 उच्च जलाशयों का निर्माण एवं 200 ढाणियों को जल उपलब्ध करवाने हेतु 35 करोड़ रुपये की लागत से कार्य करवाये जायेंगे।

IV. रावतसर–हनुमानगढ़ शहरी जलयोजना के संवर्धन कार्यों हेतु 45 करोड़ 65 लाख रुपये व्यय किये जायेंगे।

V. श्याम नगर–जयपुर में बीसलपुर से पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु 13 करोड़ 26 लाख रुपये व्यय किये जाने प्रस्तावित है।

VI. जोधपुर के लूणी क्षेत्र में पेयजल योजना हेतु 30 करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे।

VII. गुड़ा विश्नोईयान (लूणी)–जोधपुर में बड़ा तालाब के पास फिल्टर प्लांट का कार्य किया जायेगा।

VIII. सिद्धमुख–चूरू के आपणी योजना के अन्तर्गत अन्तिम छोर पर स्थित 26 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भाखड़ा नहर परियोजना की सिद्धमुख फीडर के भिरानी हैड से पेयजल उपलब्ध कराने की डीपीआर बनायी जायेगी।

**उद्योग :**

**38.** वर्तमान समय में Retail के साथ–साथ e-Commerce का भी प्रचलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। अतः इन Sectors के विकास की दृष्टि से

Rajasthan Retail Policy तथा Rajasthan e-Commerce Policy लायी जायेगी।

39. प्रदेश में विशेष योग्यजन, एकल महिला एवं अन्य वंचित वर्ग को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए Retail Sectors में प्रतिष्ठित Private Partners के माध्यम से **एक हजार** Franchisees खोली जायेंगी। इस हेतु चयनित व्यक्तियों को Training कराने के साथ ही प्रति Franchisee एक लाख रुपये का अनुदान दिया जाना प्रस्तावित है।

40. राज्य में खनिज बजरी के अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन को सस्ती बजरी उपलब्ध कराने के लिए चयनित स्थानों पर नदियों में 100 हेक्टेयर आकार तक के प्लॉट बनाकर पिट माउथ पर न्यूनतम विक्रय मूल्य पर बजरी उपलब्ध कराने वाले निविदादाताओं को खनन पट्टे आवंटित किया जाना प्रस्तावित है।

41. बाड़मेर स्थित Petro-Zone के औद्योगिक विकास को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने हेतु इसे RIPS-2022 के अन्तर्गत Area Category-2 से परिवर्तित कर Area Category-3 में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है।

42. RIPS-2022 के अन्तर्गत नवीन निवेश हेतु चूंकि 50 करोड़ रुपये के न्यूनतम निवेश की आवश्यकता है। तद्नुरूप किसी उद्यम के 50 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की स्थिति में भी योजनान्तर्गत विस्तार हेतु परिलाभ दिया जाना प्रस्तावित है।

**43.** कोटा, जोधपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग में कत्तिन व बुनकरों को प्रशिक्षित करने के लिए शुरू किये गये Training Centres में खादी ग्रामोद्योग सम्बन्धी प्रशिक्षण भी प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।

**44.** प्रदेश में Ease of Doing Business (EoDB) की दिशा में एक और कदम उठाते हुए अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण–पत्र (NoC) की प्रक्रिया के सरलीकरण के साथ–साथ शुल्क को Rational करते हुए Automated स्वीकृति जारी किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, सिनेमा लाइसेंस एवं नवीनीकरण (Renewal) प्रक्रिया का आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सरलीकरण किया जायेगा।

**ऊर्जा :**

**45.** प्रदेश में 31 मार्च, 2019 के पश्चात् 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर' (सौभाग्य) योजना समाप्त होने के उपरान्त लगभग 2 लाख परिवार (Households) घरेलू विद्युत कनेक्शन से वंचित रह गये थे। हमारे द्वारा लगातार केन्द्र सरकार से इन परिवारों हेतु CSS योजनान्तर्गत प्रावधान करने का आग्रह किया जाता रहा है, किन्तु अभी तक केन्द्र सरकार द्वारा हमारे आग्रह को पूर्णतः स्वीकार नहीं किया गया है। अतः अब मैं, आगामी 2 वर्षों में इन सभी वंचित **2 लाख परिवारों** को लगभग **एक हजार करोड़ रुपये** की लागत से घरेलू कनेक्शन उपलब्ध करवाने की घोषणा करता हूँ।

**46.** कृषि श्रेणी के नियमित अथवा कटे हुए तथा गैर कृषि श्रेणी के अन्तर्गत कटे हुए विद्युत कनेक्शनों हेतु 31 दिसम्बर, 2022 तक देय विलम्ब राशि व ब्याज में चरणबद्ध छूट की अवधि 30 सितम्बर, 2023 तक बढ़ाया जाना प्रस्तावित है। इससे 22 लाख से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

**47.** ऊर्जा तंत्र के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न श्रेणी के जीएसएस स्थापित करने के साथ–साथ विद्युत कार्यालय खोले जायेंगे, जो इस प्रकार हैं–

I. पातलीसर (सरदारशहर)–चूरू, करसाना–चित्तौड़गढ़ एवं बेरी (नवलगढ़)–झुंझुनूं में **220 केवी जीएसएस** स्थापित किये जायेंगे।

II. देवरी (शाहबाद), सहरोद–**बारां**, लूणवा जागीर (गुडामलानी) –**बाड़मेर**, बरखेड़ा (बयाना)–**भरतपुर**, अम्बिका (राजाखेड़ा)– **धौलपुर**, पिथला फांटा, बांधेवा (पोकरण)–**जैसलमेर**, तरनाऊ (जायल)–**नागौर**, खुईया (नोहर)–**हनुमानगढ़** एवं वोपारी (मारवाड़ जंक्शन)–**पाली** में **132 केवी जीएसएस** स्थापित किये जायेंगे।

III. मनोहरपुरा (किशनगढ़)–**अजमेर,** जामडोली (रैणी), बधीन (मुण्डावर), बंजीरका (रामगढ़), परसा का बास (उमरैण)–**अलवर,** अमीमोमदशाह की बस्ती, मिठडी (चौहटन), बिसू खुर्द (शिव), केरली नाडी (सिणधरी), नवातला (पाटोदी)–**बाड़मेर,** बंधाला (नोखा), सियासर चौगान (खाजूवाला) –**बीकानेर**, तुलसां, माल बमोरी, मियाड़ा (अंता)–**बारां**, कपूरा मलूका, बसई (रूपवास), फुलवारा, मोरौली कलां (सेवर)– **भरतपुर,** डेलाना (सहाड़ा)–**भीलवाड़ा**, ढाणी स्वामियान (सुजानगढ़), मेहरासर उपाधीयान–भानीपुरी (तारानगर)–**चूरू,** बिनायका (बड़ी सादड़ी)–**चित्तौड़गढ़**, समेलकलां (बांदीकुई), पावटा (महवा)–**दौसा**, जोधपुरा–**डूंगरपुर**, नीमला–थिराना, उदासर छोटा (नोहर)–**हनुमानगढ़**, नाहरसिंघानी (नवलगढ़)– **झुंझुनूं,**

बिलाड़ा, पीपाड़ सिटी, लालसागर (ओसियां)–**जोधपुर**, भीकमपुरा (हरनगर)–**करौली**, रोण (इटावा), निमाना, फतेहपुर गुण्डी (रामगंज मण्डी)–**कोटा**, गोदन (खींवसर), गेलासर (मकराना)–**नागौर**, कोला की नांगल (नीमकाथाना)–**सीकर**, वाण, सिलदर–**सिरोही** एवं सीतापुरा (देवली–उनियारा)–**टोंक** में **33 केवी जीएसएस** स्थापित किये जायेंगे।

IV. साथ ही, Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS) योजना के अन्तर्गत 33 केवी के 63 जीएसएस भी स्थापित किये जाने प्रस्तावित हैं।

V. सीकरी (ग्रामीण)–भरतपुर में **कनिष्ठ अभियंता** एवं पायला कलां (गुडामलानी)–बाड़मेर, हदां (कोलायत)–बीकानेर, सुजानगढ़ ग्रामीण–चूरू, धमोतर–प्रतापगढ़, चंडावल (सोजत)–पाली एवं पाटोदा (लक्ष्मणगढ़)–सीकर में **सहायक अभियंता** तथा गंगापुर–भीलवाड़ा, सीमलवाड़ा–डूंगरपुर, गुढ़ा गौड़जी–झुंझुनूं एवं उच्चैन–भरतपुर में **अधिशाषी अभियंता (विद्युत)** के कार्यालय खोले जायेंगे।

**वन एवं पर्यावरण :**

**48.** वन क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों, पौधारोपण तथा वन्य जीवों की देखभाल से सम्बन्धित कार्य हाथ में लिये जायेंगे, जो इस प्रकार हैं–

I. युवाओं को वन क्षेत्रों में हाइकिंग, ट्रेकिंग, कैम्पिंग एवं अन्य रोमांचकारी गतिविधियों से जोड़ने के लिए तारागढ़–**अजमेर**, चूहड़सिद्ध–**अलवर**, रामगढ़ क्रेटर–**बारां**, ब्रज चौरासी क्षेत्र –**भरतपुर**, हमीरगढ़ व मंगरोप–**भीलवाड़ा**, हथिनी औदी व मेनाल

वाटरफाल क्षेत्र–**चित्तौड़गढ़**, मेढ़ा व गोलमेन–**दौसा**, दमोह –**धौलपुर**, बुचारा व कचरावाला–**जयपुर**, मातरमाता–**सिरोही**, बोलेश्वर–**सीकर**, धूणीमाता व कमलेश्वर महादेव–**प्रतापगढ़** तथा नाल सांडौल–**उदयपुर** में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से कार्य करवाये जायेंगे।

II. राज्य में पक्षियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु 50 पक्षी घर (Birds Shelter Home) बनाये जायेंगे।

III. बीकानेर एवं अजमेर में बायोलॉजिकल पार्क, जयपुर जन्तुआलय (Zoo) को पक्षी विहार, बीकानेर जन्तुआलय (Zoo) को पक्षी विहार एवं रेस्क्यू सेंटर के रूप में 20 करोड़ रुपये व्यय कर विकसित किया जायेगा। साथ ही, वन्य जीवों को समय पर रेस्क्यू करने व एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने, बेहतर निरीक्षण, वन सुरक्षा एवं वाहन उपलब्ध कराये जाने हेतु 50 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।

IV. गोडवाड देसूरी–पाली में लेपर्ड कंजर्वेशन रिजर्व विकसित किया जायेगा। साथ ही, संरक्षित वन क्षेत्र वाडा खेड़ा–सिरोही में विकास एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य करवाये जायेंगे।

V. नर्सरियों में सुधार एवं नवीन नर्सरियों की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे।

**पर्यटन, कला एवं संस्कृति :**

**49.** जयपुर स्थित गोविन्द देवजी के मंदिर में सम्पूर्ण प्रदेशवासियों की असीम आस्था है। इसके दृष्टिगत मैं, **गोविन्द देवजी मंदिर** का महाकाल, उज्जैन की तर्ज पर वृहद् विकास करने की घोषणा करता हूँ। प्रथम चरण में

आगामी वर्ष इस हेतु 100 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। साथ ही, तीर्थराज पुष्कर के समग्र विकास हेतु **पुष्कर विकास प्राधिकरण (Pushkar Development Authority)** के गठन की घोषणा भी करता हूँ।

50. प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए **Rajasthan Smart Tourist Pass** प्रारम्भ किया जायेगा। इस Pass के द्वारा सिटी ट्रांसपोर्ट एवं रोडवेज की बसों में यात्रा के साथ–साथ समस्त पर्यटन स्थलों व स्मारकों में प्रवेश की सुविधा hassle free उपलब्ध हो सकेगी।

51. पर्यटन को बढ़ावा दिये जाने की दृष्टि से Tour Operators Associations (IATO/ RATO) से मान्यता प्राप्त Tour Operators द्वारा संचालित वातानुकूलित पर्यटक लग्जरी कोचों को मोटर वाहन कर से मुक्त किया जाना प्रस्तावित है।

52. सांवलिया सेठ–चित्तौड़गढ़ में जलझूलनी एकादशी मेले को भी 50 प्रतिशत बस किराया छूट योजना में सम्मिलित किया जायेगा।

53. बेणेश्वर धाम–डूंगरपुर के समग्र विकास की कार्य योजना तैयार करते हुए आगामी वर्ष 100 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाये जाना प्रस्तावित है।

54. धार्मिक पर्यटन विकास की दृष्टि से विभिन्न पर्यटक स्थलों के जीर्णोद्धार एवं उन्नयन सम्बन्धी कार्य करवाये जायेंगे, ये कार्य हैं–

I. खाटूश्यामजी–सीकर में श्रद्धालुओं के मन्दिर तक पहुँचने के लिए लगभग 32 करोड़ रुपये की लागत से Dedicated Corridor का निर्माण करवाया जायेगा।

II. रोजदा (जालसू)–जयपुर में स्थित श्री गोपाल जी मंदिर, ढीपरी चम्बल (खातौली)–कोटा स्थित ठाकुर जी महाराज मंदिर, पीपल्दा समेल (सुल्तानपुर)–कोटा स्थित प्राचीन शिव मंदिर तथा ककरावदा (इटावा)–कोटा स्थित प्राचीन श्री चमलेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य करवाये जायेंगे।

III. ज्वाला माता मंदिर जोबनेर–जयपुर में यात्रियों हेतु विश्राम स्थल का निर्माण करवाया जायेगा।

IV. श्री चारभुजा मंदिर–राजसमंद, टॉडगढ़–अजमेर व बिग्गा जी धाम (डूंगरगढ़)–बीकानेर में विभिन्न विकास कार्य करवाये जायेंगे।

V. लोहागढ़ किला एवं सुजानगंगा नहर–भरतपुर के जीर्णोद्धार, संरक्षण एवं विकास कार्य हेतु DPR बनवायी जायेगी।

VI. विभिन्न धार्मिक स्थल ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ –अजमेर, नाकोड़ा जैन मंदिर–**बाड़मेर**, जैन मंदिर (रणकपुर) –**पाली**, गुरूद्वारा–हनुमानगढ़, बुड्ढ़ा जोहड़–**श्रीगंगानगर** के विकास कार्यों हेतु कार्ययोजना तैयार की जायेगी।

VII. जयपुर स्थित ईदगाह का वक्फ बोर्ड के माध्यम से विकास कार्य करवाये जायेंगे।

**55.** प्रदेशवासियों की विभिन्न मंदिरों में अगाध आस्था को देखते हुए त्रिपुरा सुन्दरी माता मंदिर–**बांसवाड़ा**, करणी माता–**बीकानेर**, कैलादेवी, गोवर्धन पर्वत–**भरतपुर**, सालासर–**चूरू**, सांवलिया सेठ–**चित्तौड़गढ़**, मेहन्दीपुर बालाजी–**करौली**, खोले के हनुमानजी, शाकम्भरी माता (सांभर)–**जयपुर**, रामदेवरा, तनोट माता मंदिर–**जैसलमेर**, श्रीनाथजी (नाथद्वारा)–**राजसमंद**,

वीर तेजाजी–**नागौर**, खाटूश्यामजी–**सीकर**, एकलिंगजी–**उदयपुर** सहित अन्य महत्वपूर्ण मंदिरों में पेनोरमा/आधारभूत सुविधाओं का समग्र विकास किये जाने हेतु 10 करोड़ रुपये की लागत से डीपीआर बनायी जायेगी।

**56.** अजमेर में **पृथ्वीराज**, बीकानेर में **राव बीकाजी**, आसींद–भीलवाड़ा में **बगडावत सवाईभोज**, शाहपुरा–भीलवाड़ा में **केसरी सिंह बारहठ**, चित्तौड़गढ़ में **पन्नाधाय**, दौलतपुरा–चित्तौड़गढ़ में **अमरा जी भगत**, जयपुर में **महात्मा ज्योतिबा फूले** व शिवदासपुरा–जयपुर में **स्वामी आत्माराम जी लक्ष्य**, जोधपुर में **महर्षि नवल स्वामी**, जालोर में **वीरमदेव कान्हड़ देव चौहान**, गोगुन्दा–उदयपुर में **राणा पूंजा**, पोकरण–जैसलमेर में **इन्दिरा महाशक्ति भारत** एवं करौली में **कैलादेवी** के पेनोरमा बनवाये जायेंगे।

**57.** देवस्थान विभाग के अधीन 593 मंदिरों में पोशाक, रंग–रोगन एवं मरम्मत आदि कार्य करवाये जायेंगे। साथ ही, राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिरों के अंशकालीन पुजारियों के मानदेय में वृद्धि कर एक समान 5 हजार रुपये प्रतिमाह किया जायेगा।

**58.** लोक कला मण्डल, उदयपुर के उन्नयन की डीपीआर बनायी जायेगी। साथ ही, कला एवं मार्बल नगरी किशनगढ़–अजमेर में Art Gallery तथा साइंस पार्क नवलगढ़–झुंझुनूं में display infrastructure विकसित किया जायेगा।

**59.** मौलाना अबुल कलाम आजाद, अरबी फारसी शोध संस्थान, टोंक में Publication cum Museum Block का निर्माण किया जायेगा।

**कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र :**

60. Site Specific Nutrient Management एवं फलदार पौधों की जल मांग की सटीक जानकारी के लिए 10 हजार किसानों को New Generation Technology-Auto Sensors एवं फर्टिगेशन के प्रयोग के लिए अनुदान दिया जायेगा।

61. इसके अतिरिक्त 10 हजार किसानों को उठी हुई क्यारी बनाने हेतु Ridge Bed Planter यंत्र भी अनुदानित दर पर उपलब्ध करवाये जायेंगे। इस हेतु 50 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित है।

62. प्रदेश में कृषकों की आय बढ़ाने एवं Non-Agriculture Season में आय के विकल्प प्रदान करने के लिए ट्रैक्टरों के व्यावसायिक पंजीयन पर लगने वाले एकबारीय शुल्क को 6 हजार से घटाकर 500 रुपये किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, नियमित फिटनेस सर्टिफिकेट फीस, Inspection Fees व ग्रीन टैक्स को 2 हजार 300 रुपये से घटाकर 200 रुपये किया जायेगा।

63. कृषि मंडियों में देय कृषक कल्याण शुल्क पर मौजूदा 50 प्रतिशत की छूट को 31 मार्च, 2024 तक के लिए बढ़ाया जाना प्रस्तावित है। साथ ही, समस्त कृषि मंडियों में व्यापारियों की सुविधा के लिए व्यापार भवन हेतु डीएलसी की 25 प्रतिशत दर पर भूमि उपलब्ध करवायी जायेगी।

64. गंगापुर–भीलवाड़ा एवं गोगुन्दा–उदयपुर में कृषि महाविद्यालय खोले जायेंगे।

65. चांधन–जैसलमेर एवं मारवाड़ जंक्शन–पाली में मिनी फूड पार्क विकसित किये जायेंगे।

**66.** बेगूं–चित्तौड़गढ़ में **सब्जी–फूल मंडी** तथा सावर–अजमेर, मण्ड्रेला (पिलानी)–झुंझुनूं, साहडोली (रामगढ़)–अलवर, बागौर (मांडल) –भीलवाड़ा व जमवारामगढ़–जयपुर में **कृषि उपज मण्डी** खोली जायेंगी। साथ ही, गौण कृषि उपज मण्डी लोहावट–जोधपुर को कृषि उपज मण्डी में क्रमोन्नत किया जायेगा।

**67.** प्रदेश में पंजीकृत 3 हजार 636 गोशालाओं में पेयजल हेतु आवश्यकतानुसार थ्री फेस ट्यूबवैल स्थापित किये जायेंगे। इस हेतु आगामी वर्ष लगभग 75 करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे।

**68.** पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा उपलब्ध करवाने तथा दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से पशु चिकित्सा संस्थान/केन्द्र खोले जाने के साथ अन्य सुविधायें विकसित की जायेंगी, जो इस प्रकार हैं–

I. किशनगढ़–**अजमेर**, फिरोजपुर (राजगढ़)–**अलवर**, बुधवाली (रतनगढ़)–**चूरू**, श्रीपुरा (रावतभाटा)–**चित्तौड़गढ़**, जैतपुर (राजाखेड़ा)–**धौलपुर**, सांउ सीरा, राजपुरावास (जमवारामगढ़)–**जयपुर**, एकां भाटियान, बीठडी, कलरां (फलौदी), दुगर (बालेसर) –**जोधपुर**, धुंधला (मारवाड़ जंक्शन)–**पाली** तथा बिलासपुर (उनियारा), गांवडी (देवली)–**टोंक** में **पशु चिकित्सा उप केन्द्र** खोले जायेंगे।

II. प्रागपुरा (रैणी)–**अलवर,** लखनपुर–**दौसा**, तेजरावा (फतेहगढ़), तनोट–**जैसलमेर**, नरसिंहपुरा बिरानी–**श्रीगंगानगर** एवं निम्बडी कलां (डेगाना), राजोद (जायल)–**नागौर** के **पशु चिकित्सा उप केन्द्रों को पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

III. जिलिया (नावां)–नागौर व भगवानपुरा (मांडल)–भीलवाड़ा के पशु चिकित्सालयों को **प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय** में क्रमोन्नत किया जायेगा।

IV. जोजावर (मारवाड़ जंक्शन)–पाली में **बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय** खोला जायेगा।

V. लालसोट–दौसा में पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोला जायेगा।

VI. राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर का नामकरण श्री गुरू जम्भेश्वर के नाम पर किया जाना प्रस्तावित है।

VII. बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय–अजमेर में Indoor Ward एवं पशुपालकों के लिए Dormitory की सुविधा विकसित की जायेगी।

VIII. दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करने तथा दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक रूप से सशक्त करने हेतु बस्सी–जयपुर में **Centre for Sustainability Support to Milk Producers (CSSMP)** की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। इससे लगभग 50 हजार दुग्ध उत्पादक लाभान्वित होंगे।

**69.** आगामी 3 वर्षों में **धौलपुर Community Lift Irrigation Scheme** के अंतर्गत धौलपुर, राजाखेड़ा व सेपऊ के 28 हजार 800 हेक्टेयर नहरी क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई के तहत शामिल किया जायेगा। इससे 15 हजार किसान लाभान्वित होंगे।

**70.** मेरे द्वारा 16 फरवरी, 2023 को प्रदेश में 100 एनिकटों के निर्माण/जीर्णोद्धार व 100 नहरी तंत्रों के जीर्णोद्धार हेतु 400 करोड़ रुपये के

कार्य प्रारम्भ किये जाने की घोषणा की गयी थी। इस क्रम में माननीय सदस्यगण एवं प्रदेश के किसान भाइयों की ओर से कार्य की महत्ता को देखते हुए और अधिक प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। अतः मैं एनिकटों के निर्माण/जीर्णोद्धार व नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार हेतु निर्धारित की गयी 400 करोड़ रुपये की राशि को बढ़ाकर 800 करोड़ रुपये करने की घोषणा करता हूँ।

**71.** प्रदेश में सिंचाई सम्बन्धी विभिन्न विकास के कार्य करवाये जायेंगे, ये कार्य हैं–

| क्र.सं. | सिंचाई कार्य | लागत |
|---|---|---|
| 1. | सिद्धमुख वितरिकाओं से निकलने वाले रेजड़ी, ढाणी बड़ी, गदरा, टूण्डाखेड़ी व सिद्धमुख माईनर के अन्तिम छोर तक सिंचाई जल हेतु नहर वितरिकाओं के जीर्णोद्धार व खालों के कार्य (चूरू) | 30 करोड़ रुपये |
| 2. | भांखरा माइनर तथा बावलवाड़ा माइनर (खैरवाड़ा)–उदयपुर का जीर्णोद्धार का कार्य | 3 करोड़ रुपये |
| 3. | छोटी उदेई सिन्दूरा तालाब (गंगापुर सिटी)–सवाई माधोपुर की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार | 4 करोड़ रुपये |
| 4. | मण्डावा के मलसीसर–झुंझुनूं के खारे पानी के गांवों को इंदिरा गांधी नहर परियोजना के अंतर्गत सिंचाई के लिए सर्वे व डीपीआर | 1 करोड़ रुपये |
| 5. | दूदू–जयपुर के छापरवाड़ा बांध उत्तरी नीची नहर के सुदृढ़ीकरण व नवीनीकरण के कार्य | 22 करोड़ 50 लाख रुपये |
| 6. | रिस्का की नाल (झौथरी)–डूंगरपुर में एनिकट का निर्माण | 5 करोड़ रुपये |
| 7. | राताघाटा (झौथरी)–डूंगरपुर में बांध निर्माण | 4 करोड़ रुपये |
| 8. | राजीकावास बांध–जालोर के जीर्णोद्धार कार्य | 20 करोड़ रुपये |
| 9. | भोराव बांध (एकलिंगपुरा)–उदयपुर का निर्माण कार्य | 5 करोड़ रुपये |
| 10. | बिलिया कलां में बनास नदी पर एनिकट (सहाड़ा, भीलवाड़ा) | 9 करोड़ रुपये |

| | | |
|---|---|---|
| 11. | कालीसोत तालाब की नहरों का जीर्णोद्धार (किशनगंज, बारां) | 5 करोड़ रुपये |
| 12. | खाजूवाला की नहरी खालों के मरम्मत कार्य (बीकानेर) | 50 करोड़ रुपये |

**72.** बारां जिले की परवन वृहद् सिंचाई परियोजना में अटरू के 17, अंता के 10 व मांगरोल 10 वंचित गांवों को शामिल करने हेतु डीपीआर बनायी जायेगी। साथ ही, सरदारशहर–चूरू के 58 वंचित गांवों के रकबों को चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट कैनाल योजना में शामिल किया जायेगा।

**73.** बांधों एवं नहरों के सुचारू संचालन हेतु गेज रीडर, ऑपरेटर ग्रेड–III आदि 3 हजार कार्मिकों की भर्ती की जायेगी।

**कानून व्यवस्था :**

**74.** प्रदेश में आपराधिक गैंग्स की गतिविधियों तथा पड़ोसी राज्यों से अपराधियों के आवागमन पर नियन्त्रण की दृष्टि से हम **'राजस्थान संगठित अपराध का नियन्त्रण कानून'** ला रहे हैं। इसी क्रम में क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की दृष्टि से **3 अतिरिक्त कमाण्डो प्लाटून** स्वीकृत किया जाना प्रस्तावित करता हूँ।

**75.** राजस्थान पुलिस अकादमी–जयपुर में **Centre of Cyber Crime Investigation** स्थापित किये जाने के साथ–साथ सिन्थेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का भी निर्माण करवाया जायेगा। इन पर 19 करोड़ रुपये का व्यय होगा।

**76.** राज्य में शहरों एवं कस्बों में सड़कों पर बढ़ते वाहनों के दबाव की स्थिति में सुगम यातायात व्यवस्था कायम किये जाने हेतु **Traffic Police** को सुदृढ़ करने की दृष्टि से 500 पुलिस कानिस्टेबल, हैड कानिस्टेबल एवं उपनिरीक्षक स्तर के पद सृजित किये जाना प्रस्तावित है।

**77.** प्रदेश की कानून व्यवस्था तथा न्याय प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु पुलिस कार्यालय एवं न्यायालय खोले जाने के साथ–साथ विभिन्न सुविधायें विकसित की जायेंगी, जो इस प्रकार हैं–

I. **पुलिस कार्यालय एवं अन्य सुविधायें–**

(a) उच्चैन (नदबई)–भरतपुर में **अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय** खोला जायेगा।

(b) गढ़ी–**बांसवाड़ा,** रूपबास (बयाना)–**भरतपुर,** नांगल राजावतान–**दौसा,** फागी (दूदू)–**जयपुर,** शिवगंज–**सिरोही** तथा चित्तौड़गढ़ ग्रामीण–**चित्तौड़गढ़** में **पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय** खोले जायेंगे।

(c) बहरोड़–अलवर में **सदर पुलिस थाना** खोला जायेगा।

(d) नान्ता–**कोटा** सहित अजमेर, जयपुर एवं जोधपुर के विकास प्राधिकरणों में **पुलिस थाने** खोले जायेंगे।

(e) साकेत नगर (ब्यावर)–**अजमेर,** विजयमंदिर–**अलवर**, गहनौली मोड़ (उच्चैन), खेड़ली मोड़ (वैर), जालूकी (नगर)–**भरतपुर**, बालाहेड़ी (महुवा)–**दौसा,** कोटडी, जलोदा जागीर एवं केसरियावाद–**प्रतापगढ़**, जैतपुर (रोहट)–**पाली,** सुदरासन (लाडनूं)–**नागौर,** झिराना (निवाई)–**टोंक** एवं कूण (लसाड़िया), बड़गांव–**उदयपुर** की पुलिस चौकियों को **पुलिस थानों में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

(f) केकड़ी–**अजमेर**, मानगढ़ धाम (बागीदौरा)–**बांसवाड़ा,** खंडप (सिवाना)–**बाड़मेर,** बडेश्वर महादेव मंदिर (कुम्हेर), पीपला –**भरतपुर**, रायपुर, मोखूंदा (सहाड़ा)–**भीलवाड़ा**, कक्कू

(नोखा)–**बीकानेर**, अभयपुरा–**चित्तौड़गढ़**, मेघाना (नोहर)–**हनुमानगढ़**, नीमला (जमवारामगढ़), तिगरिया (शाहपुरा)–**जयपुर**, अरणाय (सांचौर)–**जालोर,** कानपुर (खैरवाड़ा), मीठानीम (वल्लभनगर)–**उदयपुर** एवं लालासी, बऊ (लक्ष्मणगढ़)–**सीकर** में **पुलिस चौकी** खोली जायेंगी।

(g) पुराने वाहनों के स्थान पर नये वाहन उपलब्ध कराने हेतु 25 करोड़ रुपये अतिरिक्त उपलब्ध करवाये जायेंगे।

(h) पुलिस बेनेवेलेन्ट फण्ड, वेलफेयर फण्ड, स्पोर्ट्स फण्ड, उत्सव फण्ड एवं स्टेशनरी हेतु 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया जायेगा।

(i) पुलिस अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य का सम्मान कर प्रोत्साहन प्रदान करने की दृष्टि से मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पदक एवं मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक, राजस्थान पुलिस विशिष्ट सेवा पदक एवं राजस्थान पुलिस सेवा पदक दिये जाने प्रस्तावित हैं।

II. **न्यायालय–**

(a) रामगढ़–अलवर एवं बालेसर–जोधपुर में **अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायालय** खोले जायेंगे। साथ ही, विजयनगर –श्रीगंगानगर में **अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायालय** का कैम्प कोर्ट खोला जायेगा।

(b) कैम्प कोर्ट कुम्हेर–भरतपुर, रावतसर–हनुमानगढ़ एवं जायल–नागौर को नियमित **अतिरिक्त जिला एवं सैशन न्यायालय** में परिवर्तित किया जायेगा।

(c) जोबनेर–जयपुर, बागीदौरा–बांसवाड़ा तथा सीकरी–भरतपुर में **वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय** खोला जायेगा।

(d) सिणधरी–बाड़मेर, मौजमाबाद (दूदू)–जयपुर एवं सायला–जालोर में **सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय** खोले जायेंगे।

(e) कोटपूतली–जयपुर में **एससी/एसटी न्यायालय** खोला जायेगा।

(f) हनुमानगढ़ में **एनआई कोर्ट** खोला जायेगा। साथ ही, भादरा–हनुमानगढ़ में 10 करोड़ रुपये की लागत से कोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाया जायेगा।

**सुशासन :**

**78.** आमजन को पारदर्शी एवं त्वरित सेवायें उपलब्ध करवाने तथा कार्यालयों में होने वाली Work Processing को IT के माध्यम से Online करने में आज प्रदेश सम्पूर्ण देश में अग्रणी स्थान रखता है। विभिन्न विभागों से सम्बन्धित IT Softwares का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले प्रदेशवासियों को मिल सके, इस हेतु मैंने ग्राम विकास अधिकारी/पटवारी, तहसीलदार/विकास अधिकारी से लेकर जिला प्रमुख/कलक्टर आदि तक Tablet देने का निर्णय किया था। अब इसी क्रम में, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों तथा जिला स्तरीय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों को राजकीय कार्यों एवं दायित्वों के बेहतर निष्पादन हेतु Laptop/Tablet दिया जाना प्रस्तावित है।

79. माननीय सदस्यों को याद होगा कि प्रदेश के इस विकसित IT तंत्र का लाभ घर बैठे प्राप्त करने हेतु सम्बल प्रदान करने की दृष्टि से मैंने गत बजट में चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को **Smart Phone** मय Internet Connectivity उपलब्ध करवाने हेतु **मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना** की घोषणा की थी। इस निर्णय के पश्चात् अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर Smart Phone/Automobiles में प्रयोग किये जाने वाले Chipset की Crisis उत्पन्न हो गयी थी। इस कारण Smart Phone की उपलब्धता की समस्या के साथ ही कीमतों में भी वृद्धि हो गयी। फिर भी हम इस कार्य को अब चरणबद्ध रूप से पूर्ण करेंगे।

प्रथम चरण के रूप में आगामी वर्ष बहन–बेटियों के पावन पर्व **'राखी'** से चिरंजीवी परिवारों की सरकारी विद्यालयों में 10वीं से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत छात्राओं, सरकारी उच्च शिक्षण संस्थाओं (महाविद्यालय/ ITI/ Polytechnic) में अध्ययनरत छात्राओं तथा विधवा/एकल नारी पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं को इस योजनान्तर्गत यह Smart Phone उपलब्ध करवाये जायेंगे। इस प्रकार प्रारम्भिक चरण में लगभग 40 लाख लाभान्वितों को यह Smart Phone प्राप्त हो सकेंगे।

80. प्रदेश में कुशल वित्तीय व बजटीय प्रबन्धन के साथ–साथ कर प्रणाली के सरलीकरण हेतु **Integrated Financial Management System (IFMS 3.0)** तथा **Integrated Tax Management System (ITMS)** लागू करने के साथ ही, सरकारी खरीद प्रक्रिया हेतु नवीन राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम/नियम (RTPP Act/Rules) तथा वित्तीय लेखांकन व सार्वजनिक निर्माण सम्बन्धी **Integrated Rajasthan Financial Accounting Rules** बनाये जाने प्रस्तावित हैं।

**81.** हमारे द्वारा IFMS के माध्यम से प्रक्रियाओं का सरलीकरण करते हुए कार्मिकों एवं पेंशनर्स को भी अपने GPF खाते पर पूरा नियन्त्रण, पेंशन स्वीकृति के लिए Service Book की बाध्यता समाप्त करना एवं Salary/Pension का Auto Payment जैसे नवाचार कर राहत दी गयी है। इसके उपरान्त भी वर्तमान में कार्मिकों को रिटायरमेंट के समस्त पेंशन परिलाभ प्राप्त होने में महीनों का समय लग जाता है। अब कार्मिकों को और अधिक राहत देने की दृष्टि से माह मई, 2023 से **रिटायरमेंट के दिन ही समस्त पेंशन परिलाभों की स्वीकृति जारी** किये जाने की घोषणा करता हूँ।

**82.** हमने राजकीय कार्मिकों को सेवानिवृत्ति उपरान्त सुरक्षा उपलब्ध करवाने की दृष्टि से सभी के लिए OPS लागू करने का प्रावधान किया। माननीय सदस्यों को विदित होगा कि प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनर्स को पेंशन राशि में वृद्धि का लाभ प्राप्त होता है। आयु बढ़ने के साथ ही अतिरिक्त वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अब मैं, **75 वर्ष से अधिक** (80 वर्ष की आयु तक) आयु के पेंशनर्स को पेंशन राशि में बेसिक पर **10 प्रतिशत अतिरिक्त Allowance** उपलब्ध करवाने की घोषणा करता हूँ।

**83.** राज्य के कार्मिकों को उनके द्वारा 7वें वेतनमान में वेतन निर्धारण हेतु दिये गये विकल्प के कारण वेतन में हो रही हानि को देखते हुए इन नियमों में पुनः विकल्प दिया जाना प्रस्तावित करता हूँ। इससे उनके वेतन में वृद्धि हो सकेगी।

**84.** कार्मिक अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए प्रतिमाह मिलने वाले वेतन पर निर्भर रहते हैं। आकस्मिक आवश्यकता होने पर भी कार्मिकों को वेतन लाभ मिल सके, इसके लिए अनुपातिक आधार पर माह के बीच में भी

अग्रिम वेतन आहरण (Advance Salary Withdrawl) की सुविधा उपलब्ध करवाने की घोषणा करता हूँ।

**85.** राजकीय कार्मिकों को खेलों के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने की दृष्टि से अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों को Special Allowance/ Increment दिया जाना प्रस्तावित है।

**86.** कार्मिकों द्वारा अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन के लिए स्वयं की दक्षता में वृद्धि सतत् रूप से किया जाना अत्यावश्यक है। इस दृष्टि से प्रदेश के Apex Capacity Building Institute–हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (HCM-RIPA) के उन्नयन के साथ ही संस्थान के अन्तर्गत **Civil Services Officers Institute** की स्थापना के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाना प्रस्तावित है।

**87.** राज्य के कार्मिकों की सुविधा के दृष्टिगत मैं Rajasthan Civil Services Appellate Tribunal की स्थायी पीठ, जोधपुर में भी खोलने की घोषणा करता हूँ।

**प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण :**

**88.** प्रदेश में प्रशासनिक इकाइयों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशासनिक इकाइयाँ/कार्यालय खोले व क्रमोन्नत किये जायेंगे, जो इस प्रकार हैं–

I. श्रीगंगानगर व अंता–बारां में **मिनी सचिवालय** का निर्माण करवाया जायेगा।

II. बापिणी (लोहावट)–जोधपुर एवं किशनगढ़ रेनवाल व रामपुरा डाबडी–जयपुर में **उपखण्ड कार्यालय** खोले जायेंगे।

III. कुण्डल–**दौसा**, बसई नवाब–**धौलपुर,** ओबरी–**डूंगरपुर**, चामू (शेरगढ़)–**जोधपुर**, चेचट (रामगंजमंडी)–**कोटा**, फलासियां, घासा (मावली)–**उदयपुर** को **उप तहसील से तहसील में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

IV. हरसौरा (बानसूर)–**अलवर**, सवाउ पदमसिंह (गिड़ा), पादरू (सिवाना), लीलसर (चौहटन), भियाड (शिव)–**बाड़मेर**, छोटी सरवा (कुशलगढ़)–**बांसवाड़ा**, रेलावन–**बारां,** दामोलाई मय राणेर (खाजूवाला)–**बीकानेर**, अंटाली (हुरडा)–**भीलवाड़ा**, सरोदा (सागवाड़ा)–**डूंगरपुर**, कोलारी–**धौलपुर**, पीलवा (देचू)–**जोधपुर**, शेरपुर–**करौली**, खासरवी (चितलवाना)–**जालोर**, गोटन (मेड़ता सिटी), पांचौड़ी (खींवसर), मिठडी (लाडनूं)–**नागौर**, धमोतर –**प्रतापगढ़**, खेरोदा (भीण्डर), कनबई (खैरवाड़ा)–**उदयपुर** में **उप तहसील** कार्यालय खोले जायेंगे।

V. कठूमर, मुबारिकपुर (रामगढ़)–**अलवर**, केलवाड़ा (किशनगंज), सीसवाली–**बारां**, भाण्डारेज (सिकराय)–**दौसा**, पोंख (उदयपुरवाटी)–**झुंझुनूं**, दलोट–**प्रतापगढ़**, गोलूवाला–**हनुमानगढ़**, वजीरपुर (गंगापुरसिटी)–**सवाई माधोपुर**, आसपुर, सीमलवाड़ा –**डूंगरपुर**, घाटोल–**बांसवाड़ा** को **नगर पालिका** बनाया जायेगा।

VI. नगर पालिका केकड़ी–अजमेर, बाड़ी–धौलपुर, पावटा–प्रागपुरा (विराटनगर)–जयपुर एवं खण्डेला–सीकर को **उच्च श्रेणी में क्रमोन्नत** किया जायेगा।

VII. नगरपालिका सरदारशहर–चूरू को नगर परिषद् में क्रमोन्नत किया जायेगा।

VIII. नारायणपुर (बानसूर)–अलवर, सिद्धमुख–चूरू एवं हदां (कोलायत)–बीकानेर को पंचायत समिति बनाया जायेगा। साथ ही, खातोलाई (विराटनगर)–जयपुर को ग्राम पंचायत बनाया जायेगा।

IX. किशोरी (थानागाजी)–**अलवर**, उच्चैन–**भरतपुर**, लालसोट –**दौसा**, अमरसर (शाहपुरा)–**जयपुर**, देलवाड़ा–**राजसमंद** एवं डेह–**नागौर** में **सहायक अभियंता (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी)** कार्यालय खोला जायेगा।

X. कोलायत–**बीकानेर**, वैर, नदबई–**भरतपुर**, बेगूं–**चित्तौड़गढ़**, जोबनेर–**जयपुर**, नवलगढ़–**झुंझुनूं**, जायल–**नागौर** एवं खण्डेला –**सीकर** में **अधिशाषी अभियंता (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी)** कार्यालय खोले जायेंगे। साथ ही, कुचामनसिटी–**नागौर में अधीक्षण अभियंता (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी)** का कार्यालय खोला जायेगा।

XI. बेणेश्वर धाम–डूंगरपुर, लालसोट–दौसा व लक्ष्मणगढ़–सीकर में **अधिशाषी अभियंता** एवं कोटपूतली–जयपुर में **अधीक्षण अभियंता (सार्वजनिक निर्माण)** के कार्यालय खोले जायेंगे।

XII. गंगापुरसिटी–सवाई माधोपुर में **अधिशाषी अभियंता (जल संसाधन)** तथा सिद्धमुख–चूरू में **सहायक अभियंता (जल संसाधन)** के कार्यालय खोले जायेंगे।

XIII. सुजानगढ़–चूरू एवं डेगाना–नागौर में **सहायक निदेशक कृषि (विस्तार)** के कार्यालय खोले जायेंगे।

XIV. लालसोट–दौसा में उप परिवहन कार्यालय खोला जायेगा। साथ ही, कुचामन–नागौर, कुशलगढ़–बांसवाड़ा व नोहर–हनुमानगढ़ में बस डिपो एवं बहरोड़–अलवर में रोडवेज बस स्टैण्ड बनाया जायेगा। इसके अतिरिक्त, सिरोही रोडवेज बस स्टैण्ड में मरम्मत व विकास कार्य करवाये जायेंगे।

89. माननीय अध्यक्ष महोदय, हमने गत 4 वर्षों में प्रदेश की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ कर, आमजन व जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराते हुए तथा सामाजिक क्षेत्र में विकास के साथ–साथ आजीविका के संसाधन उपलब्ध करा, प्रदेश में खुशहाली लाकर राजस्थान को देश का मॉडल राज्य बनाने का प्रयास किया है। प्रदेश में संवेदनशील, जवाबदेही एवं पारदर्शी प्रशासन देना हमारी प्रतिबद्धता है। हमारे द्वारा जनघोषणाओं एवं बजट घोषणाओं के माध्यम से एक के बाद एक लोक कल्याणकारी योजनायें लागू की गयी हैं, ऐसी स्थिति में राज्य सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ ढाणी–ढाणी, मगरे–मगरे में बसे जरूरतमंद परिवारों तक भी पहुँचे, इसके लिए जिला स्तर पर पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य करना आवश्यक है।

राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण हमारे कई जिले ऐसे हैं, जहाँ जिला मुख्यालय की दूरस्थ कोने से दूरी 100 किलोमीटर से भी अधिक है और इस कारण आमजन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही कई जिलों की जनसंख्या भी अत्यधिक होने के कारण प्रशासन का हर परिवार तक पहुँचना कठिन हो जाता है। जिला अपेक्षाकृत छोटा होने से प्रशासन प्रबन्धन व कानून व्यवस्था पर निगरानी/नियन्त्रण सहज व सुगम हो जाता है। देश के विभिन्न राज्य नये जिले बनाने में हमसे आगे रहे हैं। वहाँ पर जिलों की संख्या दुगुनी–तीन गुनी

हो गयी है। अभी हाल ही में भौगोलिक दृष्टि से हमसे छोटे राज्य पश्चिम बंगाल ने भी 7 नये जिलों की घोषणा की है।

इसी कारण प्रदेश से भी कई स्थानों से नये जिले बनाने की मांग प्राप्त हुई है। हमने इन प्रस्तावों के विस्तृत अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था, जिसकी अन्तरिम रिपोर्ट प्राप्त हो गयी है। इस विषय में प्राप्त समस्त प्रस्तावों व प्रदेश की वर्तमान प्रशासनिक इकाइयों की संरचना का विस्तृत अध्ययन एवं विवेचना के उपरान्त अब मैं, प्रदेश में **नये जिले** बनाने की घोषणा करता हूँ। जो इस प्रकार हैं–

1. **अनूपगढ़,**
2. **बालोतरा,**
3. **ब्यावर,**
4. **डीग,**
5. **डीडवाना–कुचामन,**
6. **दूदू,**
7. **गंगापुरसिटी,**
8. **जयपुर उत्तर,**
9. **जयपुर दक्षिण,**
10. **जोधपुर पूर्व,**
11. **जोधपुर पश्चिम,**
12. **केकड़ी,**
13. **कोटपूतली–बहरोड़,**
14. **खैरथल,**
15. **नीम का थाना,**

16. **फलौदी,**
17. **सलूम्बर,**
18. **सांचौर** एवं
19. **शाहपुरा।**

इस प्रकार 19 नये जिले बनाने के कारण प्रदेश में कुल 50 जिले हो जायेंगे। इन सभी का प्रदेश मुख्यालय से सम्पर्क संभागीय मुख्यालयों के माध्यम से होता है। अतः इस प्रबन्ध को सुदृढ़ करने की दृष्टि से प्रदेश में **3 नये संभाग–बांसवाड़ा, पाली** एवं **सीकर** बनाने की भी घोषणा करता हूँ। इन नवीन प्रशासनिक इकाइयों (जिलों एवं संभागीय मुख्यालयों) को अविलम्ब धरातल पर उतारने के लिए सुदृढ़ आधारभूत ढांचा एवं मानव संसाधन उपलब्ध कराने हेतु प्रथम चरण में 2 हजार करोड़ रुपये का व्यय किया जाना प्रस्तावित है।

**– : जय हिन्द :–**